लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 08 अक्टूबर, 2024
वर्ष : 10 । अंक: 88
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

जीवन में विजेता कुछ अलग नहीं करते परंतु वह चीजों को ही अलग तरीके से करते हैं।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi | NIGHT 27° Low

संक्षेप

मिल गए पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री, खुद बताया कहां और क्यों थे गायब?

इस्लामाबाद। शनिवार से गायब पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर रविवार को प्रांतीय विधानसभा में फिर से सामने आए। उन्होंने इस्लामाबाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी गिरफ्तारी से इनकार करते हुए कहा कि वह पूरे वक्त खैबर पख्तूनख्वा हाउस में मौजूद थे। इसके साथ ही वह खूब भड़कते हुए भी नजर आए। सुरक्षा के लिहाज से ट्विन सिटी (इस्लामाबाद और रावलपिंडी) में धारा 144 लागू कर दी गई थी। इस बीच इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश के बाद शनिवार को वह लापता हो गए, जिसके बाद उनका कोई पता नहीं चल पाया था। अब वह रविवार को सामने आए और खैबर पख्तूनख्वा हाउस पर छापा मारने, कर्मचारियों और महिलाओं के साथ बदसलूकी करने के लिए इस्लामाबाद IGP नासिर अली रिजवी समेत अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने इस्लामाबाद आईजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का ऐलान करते हुए कहा कि उन्हें सदन में माफी मांगनी होगी। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि मैंने कौन सा अपराध किया है? एक साल से ज्यादा समय से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद इमरान खान की स्थापित पार्टी ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उनकी रिहाई के लिए कई विरोध प्रदर्शन किए।

इजराइल के ज़ख्मों पर ईरान के सुप्रीम लीडर ने छिड़का नमक, दिलाई 70 साल पुरानी याद

ईरान। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने हमास के ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड की एक बार फिर सराहना की है। हमास के 7 अक्टूबर के अटैक की पहली बरसी पर खामनेई ने एक्स पर इजराइली भाषा हिब्रू में लिखा, "ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड ने ज़ायोनी शासन को 70 साल पीछे धकेल दिया।" ये पहली बार नहीं है जब अली खामनेई ने हमास के ऑपरेशन की सराहना की है इस पिहले पिछले हफ्ते शुक्रवार को दिए गए अपने भाषण में अली खामनेई ने हमास और हिजबुल्लाह की तारीफ की थी और कहा था कि इजराइल लंबे समय तक नहीं टिक पाएगा। 1948 में इजराइल अपनी स्थापना के समय अरब का एक कमजोर देश था, जो अमेरिकी मदद के बिना फिलिस्तीनियों के सामने टिकने की ताकत नहीं रखता था। इजराइल को इस पूरे युद्ध के दौरान भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है, उसका पर्यटन और बंदरगाहों से होने वाला कारोबार ठप हो गया है। विद्रोही गुटों से सुरक्षा के लिए उसको अरबों डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं, दूसरी ओर कूटनीतिक तौर पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजराइल कमजोर हो गया है। खामनेई के इस ट्वीट से लग रहा है कि को 70 साल पीछे धकेलने वाली बात उन्होंने इजराइल के इसी नुकसान के ऊपर कही है। इजराइल गाजा जंग के शुरुआत से ही खामेनेई मुखर हो कर विद्रोही गुटों की प्रशंसा करते रहे हैं। खामनेई के भाषण और ट्वीट इजराइल के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे रेसिस्टेंस ग्रुप के लिए इंस्पिरेशन का काम करते हैं। हालिया समय खामनेई ने पूरे अरब वर्ल्ड में खुद को एक शक्तिशाली नेता के तौर पर पेश किया है।

नरसिंहानंद विवाद पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दो टूक

विरोध के नाम पर अराजकता बर्दाश्त नहीं

» करना होगा सभी धर्मों का सम्मान: योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। दासन मंदिर के महंत स्वामी यति नरसिंहानंद के आपत्तिजनक बयान पर छिड़े विवाद को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसी भी जाति, मत-मजहब अथवा संप्रदाय से जुड़े हुए ईष्ट देवी-देवता, महापुरुषों अथवा साधु-संतों के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी अस्वीकार्य है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

त्योहारों के दृष्टिगत सोमवार को मुख्य सचिव, डीजीपी, अपर मुख्य सचिव गृह, एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर मत, संप्रदाय की आस्था का सम्मान होना चाहिए। महापुरुषों के प्रति प्रत्येक नागरिक के मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए, लेकिन इसके लिए बाध्य नहीं किया जा सकता और जबरन किसी पर थोपा भी नहीं जा सकता।

एक दूसरे के धर्मों का करना होगा सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर आस्था के साथ खिलवाड़ करेगा, महापुरुषों, देवी-देवता, संप्रदाय आदि की आस्था के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करेगा, तो उसे कानून के दायरे में लाकर कठोरता पूर्वक सजा दिलवाई जाएगी, लेकिन सभी मत, मजहब, सम्प्रदाय के लोगों को एक-दूसरे का सम्मान करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोध के नाम पर अराजकता, तोड़-फोड़ अथवा आगजनी स्वीकार नहीं है, जो कोई ऐसा दुस्साहस करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी।

माहौल ख़राब करने वाले की खिलाफ सख्ती के निर्देश

मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास हर्ष उल्लास शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हो, यह प्रत्येक जनपद-प्रत्येक थाना को सुनिश्चित करना होगा। माहौल खराब करने वालों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करें। कानून के विरुद्ध कार्य करने वालों के साथ सख्ती से निपटें। महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुट पेट्रोलिंग और पीआरवी 112 की पेट्रोलिंग तेज की जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं-बेटियों की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए, इसके लिए सभी विभाग मिलकर काम करें।

भारत ने भर दी मुइज्जू की झोली, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद 5 डील डन

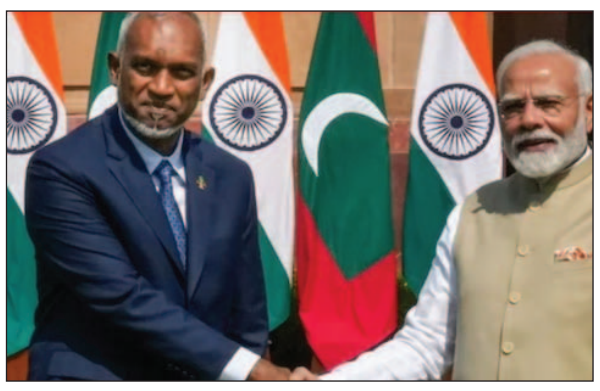

नई दिल्ली, एजेंसी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भारत के दौरे पर हैं. इसी बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पीएम मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात हैदराबाद हाउस में हुई। इस दौरान भारत और मालदीव के बीच 5 समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसमें करेंसी, शिक्षा, भ्रष्टाचार को रोकने , न्यायिक और खेल के क्षेत्र से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर हुए। मालदीव में Rupay (रुपे) कार्ड लॉन्च हो गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस दौरान मालदीव में RuPay कार्ड से भुगतान की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू इस तरह के पहले लेनदेन के गवाह बने।

संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा कि भारत हमेशा मालदीव का फर्स्ट रिस्पांडर रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि 3 हजार करोड़ रुपए का करेंसी स्वैप समझौता हुआ है। उन्होंने कहाकि हमने मालदीव में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर बात की है। हमने डिजिटल कनेक्टिविटी पर भी बात की है। पीएम मोदी ने कहाकि भारत ने हमेशा पड़ोसी होने के दायित्व को निभाया है। भारत ने उसके सहयोग से निर्मित 700 से अधिक सामाजिक आवास इकाइयां मालदीव को सौंपी।

पीएम मोदी ने आगे कहा, "हमने रक्षा और सुरक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। एकथा हार्बर प्रोजेक्ट पर काम तेजी से चल रहा है। इंडियन ओसियन रीजन में स्थिरता और समृद्धि के लिए हम मिलकर काम करेंगे। कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव में फाउंडिंग मेंबर के रूप में जुड़ने के लिए मालदीव का स्वागत है।"

मालूम हो कि मालदीव के राष्ट्रपति एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। वह रविवार अपराह्न दिल्ली पहुंचे। इस साल की शुरुआत में पदभार संभालने के बाद से यह उनकी पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा है। वह जून में श्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और श्री मोदी दोनों ही राष्ट्रपति भवन में श्री मुइज्जू का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। मालदीव के राष्ट्रपति बाद में महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने राजघाट गए।

नक्सल प्रभावित राज्यों को लेकर अहम बैठक, अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों संग बनाई खास रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक ऐसे वक्त हुई, जब कुछ दिन पहले ही सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के जंगलों में 31 नक्सलियों को मार गिराया था। नक्सलवाद के खतरे से प्रभावित राज्यों में छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश शामिल हैं। बैठक में नक्सल विरोधी अभियानों और प्रभावित क्षेत्रों में की गई विकास पहलों पर चर्चा की गई।

हाल के दिनों में नक्सलियों के खिलाफ सबसे सफल अभियानों में से एक में छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा कम से कम 31 नक्सलियों को मार गिराए जाने के कुछ दिनों बाद नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय गृह मंत्री की यह बैठक हुई है। कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी बैठक में भाग लिया। इसके साथ ही केंद्र, राज्यों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

नक्सली हिंसा में 72 फीसदी की कमी आई

अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की रणनीति के कारण नक्सली हिंसा में 72 फीसदी की कमी आई है। इसके अलावा 2010 की तुलना में 2023 में नक्सली हमले में मरने वालों की संख्या भी 86 फीसदी तक कम हुई है। ऐसे में नक्सली अब अपनी अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं।

2026 तक नक्सलवाद पूरी तरह से जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध

इससे पहले गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार मार्च, 2026 तक नक्सलवाद के खतरे को पूरी तरह से जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार नक्सलवाद से प्रभावित राज्य सरकारों को इस खतरे से लड़ने में हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।

ऐसे चल रहा अभियान

2024 में अब तक 230 से अधिक नक्सलवादियों का सफाया किया जा चुका है।
723 नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।
812 को गिरफ्तार किया गया है।
नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की संख्या अब सिर्फ 38 रह गई है।
राज्यों के सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए सड़क और मोबाइल संपर्क को बढ़ावा दिया जा रहा
नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में अब तक कुल 14,400 किलोमीटर लंबी सड़कें बनाई गई हैं
ऐसे इलाकों में लगभग 6,000 मोबाइल टावर लगाए गए हैं।

पलंग-सोफा-नल-टब... सरकारी बंगले से कई चीजें गायब, तेजस्वी यादव पर भाजपा के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। तेजस्वी यादव ने 5 देश रत्न मार्ग पर मौजूद सरकारी बंगले को खाली कर दिया है. अब इस बंगले में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शिफ्ट होंगे। इस बंगले में सम्राट चौधरी विजयादशमी के दिन शिफ्ट होने वाले हैं, जिसके लिए नए सिरे से बंगले का रंग रोगन कराया जा रहा है और डिप्टी सीएम के लिए बंगले को तैयार किया जा रहा है।

तेजस्वी यादव के बंगले को खाली करने के साथ विवाद शुरू हो गया है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि इस बंगले से कई सारी चीजें गायब हो गई हैं। भाजपा नेता दानिश इकबाल ने आरोप लगाया है कि उपमुख्यमंत्री के बंगले से बेड, सोफा से लेकर बाथरूम से टब और यहां तक की बेसिन नल जैसी कई चीजें गायब हैं। भाजपा की ओर से

कहा गया है कि वह भवन निर्माण के ओर से दिए गए सामान की लिस्ट लेकर आएंगे।

राजद ने किया पलटवार

भाजपा के आरोपों पर राजद ने जवाब दिया और बंगले से समान चोरी होने वाले तमाम आरोपों कों खारिज करते हुए इसे भाजपा नेताओं की घटिया सियासत बताया। राजद ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा अगर चाहती है की बंगला खाली करने के बाद तेजस्वी यादव ही इस बंगले में एसी, बेड वगैरह लगवा दें तो तेजस्वी यह भी कर देंगे। राजद ने बीजेपी का पलटवार किया तो भाजपा ने भी राजद को सामान के लिस्ट दिखाने की बात कही,

तेजस्वी यादव को कोर्ट से राहत

वहीं तेजस्वी यादव को लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उन्हें और आरजेडी के प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेज प्रताप यादव को एक-एक लाख रुपए के मुचलके के साथ जमानत दे दी है लेकिन कोर्ट की ओर से सभी आरोपियों को पासपोर्ट सरेंडर करने के लिए कहा है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव और मीसा भारती एक ही टेबल पर एक साथ बैठे थे।

विधानसभा के सामने युवक ने खुद को लगाई आग, पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई है। विधानसभा के सामने एक युवक ने खुद को आग लगा ली है। इस घटना ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। खुद को आग लगाने वाले युवक का नाम मुन्ना विश्वकर्मा है। वह पुराने लखनऊ के सहादतगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है। युवक ने आलमबाग पुलिस पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। युवक का कहना है कि पुलिस (क्कशद्यद्वष्ट्) ने उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की और उसके साथ मारपीट की। निराश होकर उसने आत्महत्या का यह कदम उठाया। मुन्ना विश्वकर्मा एक टेंट हाउस में काम करता था। टेंट हाउस मालिक से पैसे न मिलने के कारण वह आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

दलित के किचन में पहुंचे राहुल गांधी, मिलकर बनाया फिर साथ खाया

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक दलित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उनके साथ किचन में खाना बनाया और जाति और भेदभाव जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की। अजय तुकाराम सनदे जी और उनकी पत्नी अंजना तुकाराम सनदे जी से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा कि दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। राहुल ने ट्वीट कर कहा कि जैसा शाहू पटोले जी ने कहा कि दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता।

राहुल ने कहा कि वो क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं और इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इस जिज्ञासा के साथ, मैंने अजय तुकाराम सनदे जी और अंजना तुकाराम सनदे जी के साथ एक दोपहर बिताई। उन्होंने कोल्हापुर, महाराष्ट्र में मुझे अपने घर सम्मान के साथ बुलाकर रसोई में हाथ बंटाने का मौका दिया। हमने मिलकर चने के साग की सब्जी 'हरभऱ्याची भाजी' और बैंगन के साथ तुवर दाल बनाई। उन्होंने आगे कहा कि पटोले जी और सनदे परिवार के जाति और भेदभाव के निजी अनुभवों पर बात करते हुए, हमने दलित खानपान के प्रति जागरूकता की कमी और इस संस्कृति के डॉक्यूमेंटेशन के महत्व पर चर्चा की। बहुजनों को हिस्सेदारी और अधिकार संविधान देता है और उस संविधान की रक्षा हम करेंगे लेकिन समाज में सभी की सच्ची समावेशिता और समानता तभी संभव होगी जब हर एक भारतीय दिल में भाईचारे की भावना के साथ प्रयास करे।

देश में 90 % दलित पर उसकी बात नहीं होती- राहुल

राहुल गांधी ने शनिवार को कोल्हापुर में छत्रपति शिवाजी के मूर्ति का अनावरण किया था। इसके साथ ही उन्होंने संविधान सम्मान सम्मलेन को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि जिनके हाथ में हुनर है, उनके बारे में बात ही नहीं होती। दलितों का जो बचा खुचा इतिहास है शिक्षा व्यवस्था में उसे भी मिटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस देश में 90 फीसदी दलित है, लेकिन 90 फीसदी लोगों के लिए दरवाजे बंद है। आप कहीं भी देख लीजिए।

हरियाणा-कश्मीर के चुनाव नतीजों से पहले मुसलमानों से बोले किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार के वरिष्ठ मंत्री और तीसरे कार्यकाल में संसदीय कार्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे किरेन रिजिजू ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ी वॉर्निंग दी है। उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कांग्रेस पार्टी पर हिंदुओं को बांटने के साथ मुस्लिम तुष्टिकरण का भी आरोप लगाया। इसके साथ ही वीडियो शेयर करते हुए रिजिजू ने अंग्रेजी की दो लाइनें लिखीं। पहले में उन्होंने मुसलमानों को वॉर्निंग देते हुए कहा, दूसरी लाइन में उन्होंने हिंदुओं और अन्य को वॉर्निंग दी। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की बांटो और राज करो वाली नीतियों के पीड़ित न बनें। रिजिजू ने इंटरव्यू में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मुसलमान को एक वोट बैंक के तहत इस्तेमाल किया। कांग्रेस पार्टी चुनाव के समय ये कहती भी है कि उसका 15 प्रतिशत मुस्लिम वोट बैंक रिजर्व है। इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है। ये जगजाहिर बात है कि कांग्रेस पार्टी मुसलमान को वोट बैंक के नजरिए से देखती है। यह मुसलमान के लिए भी बहुत बड़ा नुकसान है। कांग्रेस पार्टी ने मुसलमान वोट बैंक की गारंटी ले रखी है। उन्हें लगता है कि इस समाज का तो हमें ही वोट मिलेगा। ऐसे में मुसलमानों का उत्थान कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की प्लानिंग का हिस्सा यह है कि मुसलमानों को वोट बैंक बनाकर रखो और हिंदुओं को विभाजित करो। इसलिए आजकल राहुल गांधी के मुंह से एससी-एसटी, ओबीसी जैसे शब्द निकल रहे हैं। एससी, एसटी, ओबीसी के अंदर की जो तकलीफें हैं उसका एबीसीडी भी राहुल गांधी को पता नहीं है लेकिन हर वक्त उनके मुंह से एससी, एसटी, ओबीसी निकलता रहता है। उनको इसी बात का पाठ पढ़ाया गया है। उन्होंने मुसलमान को वोट बैंक बनाया और अब एसटी, एससी, ओबीसी को हिंदुओं में विभाजित करके वोट हासिल करना चाहते हैं। इससे देश को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए काम शुरू कर दिया है। पीएम मोदी के इस अभियान को बाधित करने के लिए कांग्रेस ने डिवाइड एंड रूल की पॉलिसी को अपनाया है। अंग्रेजों ने भी हिंदुओं को विभाजित किया अब और कांग्रेस पार्टी फिर से हिंदुओं को विभाजित करना चाहती है। मैं समझता हूं देश को सबसे ज्यादा नुकसान ऐसी चीज से होगा। ऐसे में हमको संगठित रहना होगा। हम मुसलमानों से भी कहना चाहेंगे कि कब तक आप कांग्रेस का वोट बैंक बनकर कठपुतली की तरह नाचते रहेंगे। पीएम मोदी ने समाज के हर तबके के लिए काम किया है। सरकार की योजनाओं का सबको लाभ मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इस देश के टुकड़े-टुकड़े करना चाहती है। अंग्रेजों की डिवाइड एंड रूल पॉलिसी के तहत कांग्रेस ने इतने सालों तक शासन किया और देश को गरीब बनाकर रखा। मुसलमानों और बौद्ध समुदाय के लोगों को पिछड़ा बनाने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया।

कोयला खदान में बड़ा धमाका, 7 मजदूरों की मौत, टुकड़ों में बंटे शव

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीरभूम जिले के वादुलिया में स्थित गंगारामचक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड कोलियरी में सोमवार को हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 7 मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य घायल हैं। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस और आपातकालीन सेवाएं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, कोयला क्रशिंग के दौरान हुए इस विस्फोट की वजह से खदान के अंदर मौजूद मजदूर फंस गए थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि कई मजदूरों के शव टुकड़े-टुकड़े हो गए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विस्फोट की घटना असावधानी के कारण हुई हो सकती है।

यह खदान पीडीसीएल द्वारा लीज पर ली गई है और राज्य सरकार के अधीन आती है। विस्फोट से पहले यह जांच क्यों नहीं की गई कि खदान के अंदर कोई मजदूर है या नहीं, इस सवाल को लेकर स्थानीय लोगों में रोष है। घटना के बाद खनन प्राधिकार के अधिकारी मौके से चले जाने से संदेह और गहरा गया है। पुलिस इस मामले में साजिश की आशंका से भी जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घायलों का इलाज जारी है।

स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया जा सकता है। राज्य सरकार ने मृतकों के परिवारों को मुआवजे का ऐलान किया है। साथ ही, घायलों के इलाज का खर्च भी सरकार वहन करेगी। गौरतलब है कि बीरभूम में यह पहला खनन हादसा नहीं है। कुछ दिन पहले ही एक अन्य खदान में धंसने से तीन मजदूरों की मौत हो गई थी। लगातार हो रहे इन हादसों ने सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कार सवार चोरों ने खड़े ट्रक से डीजल किया पार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मिल्कीपुर-अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र स्थित तेन्धा गांव के पास अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़े ट्रक से कर सवार चोरों ने डीजल पर कर दिया है। मॉर्निंग वॉक पर निकले व्यापारी द्वारा वाकया देख गुहार लगाए जाने के बाद व्यापारी युवक पर असलहे से फायर करने की कोशिश की। हालांकि माजरा भांप व्यापारी युवक मौके से भाग निकला। घटना के बाद पीड़ति ट्रक वाहन स्वामी ने मामले में मुकदमा काम किए जाने हेतु कुमारगंज पुलिस को तहरीर दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कुमारगंज थाना क्षेत्र के मसेढ़ा गांव निवासी नरसिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि बीते छे अक्टूबर की रात उनके दो ट्रक यूपी 42 सीटी 9918 (22 चक्का) व बीआर 24 जी सी 9028 (18 चक्का) तेन्धा गांव स्थित फोरलेन के किनारे उनके मकान के सामने खड़े थे। दोनों वाहनों के चालक ट्रक केबिन में सोए हुए थे। सोमवार की 4:00 बजे मारुति कर सवार पांच लोग ट्रक के पास पहुंच गए थे और उन्होंने ट्रक के डीजल टैंक का लॉक तोड़कर डीजल निकलना शुरू कर दिया। तेन्धा निवासी व्यापारी युवक पवन कुमार अग्रहरी बड़ी नहर की तरफ जा रहे थे उन्होंने ट्रक से डीजल चोरी होता देख गुहार लगा दी इतने में कर के पास खड़े दो युवकों ने उन पर फायर करने की नियत से असला टांडिया जिसके बाद वह गुहार लगाते हुए मौके से भाग निकले। इतने में बेखौफ डीजल चोर भी कर लेकर कुमारगंज बाजार की ओर भाग निकले। चोरों ने ट्रक टैंक में मौजूद 150 लीटर डीजल पार कर दिया है। मामले में पीड़ति वाहन स्वामी ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा कायम किए जाने की मांग की है।

अवैध पिस्टलों की खरीद फरोख्त करने वाले गैंग का हुआ भंडाफोड़

गैंग के पांच शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, 5 अवैध पिस्टलें और जिंदा कारतूस बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लालगंज(रायबरेली)। एसओजी और लालगंज कोतवाली पुलिस टीम के संयुक्त प्रयास से दो अवैध असलहा तस्कर समेत तीन अवैध असलहा खरीददारों को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस ने इनके कब्जे से पांच अवैध पिस्टल 32 बोर,दो जिंदा कारतूस 32 बोर और एक सफारी गाडी (यूपी 37 ए 7250) बरामद की है।पुलिस के मुताबिक अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के दौरान यह गैंग पुलिस के हत्थे चढ़ा है।इस गैंग के सदस्य धुन्नर और अनुराग बांदा से असलहों की खरीददारी कर यहाँ लालगंज इलाके में बेंचते थे।पुलिस ने

इस मामले में दोनों असलहा तस्कर समेत तीन खरीददारों को गिरफ्तार किया है।पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं इसी गैंग ने ही तो नहीं अमेठी हत्याकांड के आरोपी चंदन वर्मा को भी असलहा सप्लाई किया था।उल्लेखनीय है कि एसओजी और लालगंज कोतवाली पुलिस टीम के संयुक्त प्रयास से लालगंज के तीन और मिल एरिया व कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के दो आरोपियों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।आरोपियों के पास से अवैध पिस्टल व जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार का जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि लालगंज थाना क्षेत्र स्थित खरगपुर सौताना गांव निवासी धुन्नर उर्फ चित्रसेन सिंह पुत्र स्व. भारत सिंह व हरीपुर निवासी अनुराग सिंह पुत्र स्व. कृष्ण बिहारी अवैध तमंचों का खरीद फरोख्त करते थे।आरोपी स्थानीय स्तर पर लोगों को असलहा बेंचकर धन अर्जित करते थे।दोनों आरोपी पिस्टल की सप्लाई करने के लिए आए थे,तभी पुलिस ने उन्हें धर दबोचा।पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे लोदीपुर उतरावां गांव निवासी शिवम सिंह पुत्र स्व. धीरेंद्र बहादुर सिंह,मिल एरिया थाना के पूरे नन्दा सिंह मजरे समरहदा निवासी स्वप्निल सिंह उर्फ छोटू पुत्र धुन्नी सिंह व कोतवाली नगर के मटिहा निवासी मुशीर बेग पुत्र हामिद को पिस्टल बेंचने आए थे।दोनों मुख्य आरोपी गैर जनपद के किसी अज्ञात व्यक्ति से पिस्टल खरीद कर लाते थे।प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि पांचों आरोपियों के पास से अवैध पिस्टल व जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।आरोपी अनुराग,शिवम व स्वप्निल सिंह अपराधिक प्रवृत्ति के युवक हैं।उनके विरुद्ध अलग-अलग थानों में कई संगीन धाराओं में मुकदमें पहले से ही दर्ज हैं।

यति महंत पर दंडात्मक कार्रवाई को लेकर सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब की शान में आपत्तिजनक शब्द बयान देकर आहत करने वाले दीपक उर्फ यति महंत पर दंडात्मक कार्रवाई को लेकर मुलायम यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष मोहम्मद शहजाद, प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट नेताद्वय के नेतृत्व में दर्जनो लोग डीएम कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति भारत सरकार को सम्बोधित ज्ञापन दिया। नेताद्वय प्रदेश सचिव अधिवक्ता सभा अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट ने कहा कि देश व प्रदेश में संविधान में वर्णित हैं कि हर व्यक्ति अपने धर्म भाषा विचार के साथ सबको रहने का अधिकार है कोई किसी के धार्मिक भावनाओं को आहत नही करेगा लेकिन डासना में महंत दीपक उर्फ यति नरसिघंनंद महाराज द्वारा मुस्लिम समुदाय के पैगम्बर हजरत पर आपत्तिजनक बयान देकर आहत करने वाले दीपक उर्फ यति महंत पर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग लेकर महामहिम

राष्ट्रपति को पत्र लिखकर जिलाधिकारी कार्यालय में पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। दंडात्मक कार्रवाई की मांग समाजवादी पार्टी करती हैं ऐसे कुकृत्य अपमानजनक टिप्पणी व्यवहार की घोर विरोध निदा करते हैं और संविधान सम्मत बिधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया जाना चाहिए। क्योंकि दुनिया में ऐसे लोग अमन चैन बिगाड़ने का काम करते हैं ऐसी स्थिति में किसी भी धर्म भाषा विचार विमर्श के बाद कोई भी व्यक्ति किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत नही पहुचायेगा। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो कठोर कदम उठाया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति किसी के धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की हिम्मत नहीं करे। मुलायम यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष मोहम्मद शहजाद व प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट नेताद्वय के साथ अमरीश कांत, मो सुलतान, अब्दुल रहमान, राज मिश्र उर्फ बाहुबली सुरेश कुमार, तालिब खान, महफूज़ खान, मुहम्मद सकलेन, सहित लगभग दो दर्जन लोग मौजूद रहे।

यूनिवर्सल सोनांचळ फार्मर एसोसिएशन ने किसान सम्मेलन का किया आयोजन

करमा/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के जे एसपी महाविद्याल कसया कला मे सोमवार को यूनिवर्सल सोनांचळ फार्मर एसोसिएशन द्वारा किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। दिनेश प्रसाद पाण्डेय चैयरमैन के निर्देशन पर कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक राजेश मिश्रा एवं संचालन गोपाल सिंह वैद्य प्रबंध निर्देशक द्वारा किया गया। इस सम्मेलन में एफपीओ के 150 सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि उप निर्देशक जय प्रकाश उपस्थित रहें विशिष्ठ अतिथि के रूप में जिला मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ मिश्रा, जिला नाबार्ड अधिकारी डीडीएम आनंद पाण्डेय, जिला कृषि अधिकारी डॉ हरेराम मिश्रा, विशिष्ठ उपस्थिति डॉ अशोक कुमार मौर्य रॉबर्ट्सगंज, डॉ सुरेश कुमार पाण्डेय घोरावल, डॉ जितेंद्र सिंह जी रामगढ़, एडीओ एजी सुरेंद्र यादव, तकनीकी सहायक आशीष,किसान सम्मेलन का सुभारम्भ सुझाव प्रस्तुत किया गया।

दुर्गापूजा मेला को लेकर नगरपालिका परिषद ने कसी कमर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। नगर पालिका परिषद के सभाकक्ष में दशहरा दुर्गापूजा मेला को समुचित ढंग से सम्पन्न कराये जाने को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के अधिशासी अधिकारी, सफाई विभाग, निर्माण विभाग, मार्ग प्रकाश विभाग एवं जलकल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा समारोह को अच्छे ढंग से सम्पन्न कराने के लिए तैयारियों को अन्तिम स्वरूप दिया जा रहा है, पालिका द्वारा सभासदगण एवं सफाई नायकों के माध्यम से नगर क्षेत्र में सर्वे कराया गया है, जिसमें 126 छोटी, बड़ी देवी प्रतिमाओं पूजा पण्डालों की सूची संकलित की गयी है। पालिका द्वारा दुर्गापूजा मेले को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु शाहगंज पुलिस चौकी के निकट कैम्प कार्यालय (मेला नियन्त्रण कक्ष) का शुभारम्भ 0 अक्टूबर प्रातः 11:00 बजे किया जायेगा, जहां पालिका के सफाई, पेयजल, मार्ग प्रकाश, निर्माण सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी दोनो पालियों में पूर्वान्ह 11:00 बजे से सायं 07:00 बजे तक तथा सायं 07:00 बजे से मेला समाप्ति तक लगायी गयी तथा विशेष रूप से कन्ट्रोल रूम पर सभी सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी समय से उपस्थित रहकर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण कराते हुये मेला प्रभारी को अवगत करायेंगे। नगर क्षेत्र की समस्त सड़कों पर स्थित गड्ढों की पैचिंग का कार्य लगभग 60 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, सफाई निरीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि सम्पूर्ण नगर क्षेत्र में विधिवत सफाई के साथ-साथ स्थापित होने वाली दुर्गा प्रतिमाओं के पण्डालों व निकटवर्ती स्थलों, मन्दिरों, सीताकुण्ड घाट तथा समस्त वार्डों में पूरे पर्व के दौरान दोनो पालियों में विधिवत साफ-सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठान कार्य, कूड़ेदानों को ससमय खाली कराने का कार्य, चूना, ब्लीचिंग व एण्टीलार्वा का छिड़काव तथा रोस्टर बनाकर फागिंग आदि कार्य ससमय सम्पादित कराने हेतु तैयारी कर ली गयी है। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि निराश्रित छुट्टा पशुओं पर नियन्त्रण एवं गोवंशों को अभियान चलाकर पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है, जिसमें और गति लायी जायेगी। पालिका द्वारा मेले के दौरान पूर्व निर्धारित स्थलों को सजावटी लाइटों से सुसज्जित करते हुए नगर की साज-सज्जा की जायेगी। पालिका द्वारा मेले के दौरान भण्डारों एवं अन्य व्यवस्थाओं हेतु पेयजलापूर्ति हेतु पर्याप्त मात्रा में टैंकरों इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गयी है।

यूपी के इन इलाकों में आज से कई दिन तक बाधित रहेगी बिजली आपूर्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के तहत चल रहे कार्य को लेकर सात अक्टूबर से 10 व 12 अक्टूबर तक कई क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति घंटों बाधित रहेगी। अधिशासी अभियंता बमरौली संतोष तिवारी ने बताया कि सूबेदारगंज में आरओबी निर्माण का कार्य चल रहा है। इसे लेकर बिजली की केबल शिफ्टिंग का कार्य सात व आठ अक्टूबर को किया जाएगा।

जिससे साई, राजरूपपुर व कालिंदीपुरम फीडर दोपहर 12 से शाम चार बजे तक बंद रहेगा। इसी प्रकार बमरौली उपकेंद्र से संबंधित पीएसी फीडर का लोड कम करने के लिए नया फीडर बनाया जा रहा है। इससे सात से दस अक्टूबर तक मुंडेरा बाजार, एडीए नीमसराय, मुंडेरा मंडी, राजकमल सोसाइटी समेत आसपास के क्षेत्रों में सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। उधर, अवर अभियंता महाकुंभ अतुल कुमार वर्मा ने बताया कि महाकुंभ कार्य के चलते गोविंदपुर व मजार स्थित एमएएस उपकेंद्र की बिजली आपूर्ति सुबह 11 से शाम चार बजे तक बंद रहेगी। इससे सलोरी, शुक्ला मार्केट, घोष स्वीट, सब्जी मंडी मुहल्ले प्रभावित होंगे। इसी प्रकार इंदलपुर, फाफामऊ, थरवई उपकेंद्र की आपूर्ति सुबह 11 से शाम चार बजे तक बाधित रहेगी। नैनी स्थित डांडी मुहल्ले में रविवार दोपहर से देर रात तक बिजली व्यवस्था ने सैकड़ों लोगों को रुलाकर रख दिया। एक बजे पहली बार एबीसी केबल जली तो यह सिलसिला रात करीब 10:30 बजे तक चलता रहा। तीन बार केबल जलने से घंटों बिजली गुल रही। शाम के समय तो आपूर्ति ठप होने से नलकूप भी नहीं चले, जिस कारण लोगों के सामने पेयजल संकट भी उत्पन्न हो गया।डांडी मुहल्ले में रविवार दोपहर करीब एक बजे एबीसी केबल में आग लग गई। लोगों ने देखा तो इंदलपुर उपकेंद्र में फोन किया, जिस पर बिजली आपूर्ति बंद की गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में केबल टूटकर सड़क पर गिर गई। करीब 45 मिनट बाद कर्मचारी पहुंचे और मरम्मत शुरू किया।

लगभग तीन बजे आपूर्ति बहाल की गई। एक घंटे तक सब कुछ ठीक-ठाक रहा, लेकिन फिर एबीसी केबल में आग लग गई। केबल टूटकर सड़क पर गिर गई। शाम लगभग पांच बजे कर्मचारी पहुंचे। सात बजे आपूर्ति चालू हुई। हालांकि, आधे घंटे बाद ही बिजली की आवाजाही का सिलसिला शुरू हो गया। जिस कारण नलकूप नहीं चले। रात 10:30 बजे तीसरी बार फिर एबीसी केबल में आग लगी और बिजली गुल हो गई। मरम्मत को पहुंचे कर्मचारियों से लोगों की नोक-झोंक भी हो गई। लोगों ने कहा कि बार-बार जब एक ही जगह पर केबल में आग लग रही है तो नई केबल क्यों नहीं लगाई जा रही है, जिस पर कर्मचारियों ने अधिकारियों से बात करने को कहा।

हंसवाहिनी पब्लिक स्कूल में छात्राओं को दी गयी महिला सशक्तिकरण की जानकारी

बीजपुर(सोनभद्र)। शासन के निर्देश पर सोमवार को प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्रा ने हंसवाहिनी पब्लिक स्कूल बीजपुर में महिला शसक्तीकरण फेज 5 के अंर्तगत उपस्थित विद्यालय की महिला टीचरों सहित बच्चियों को विधिवत जानकारी दी गयी। इस दौरान साइबर अपराध हेल्प लाइन नम्बर 1930, 1090, 112, 1098, चाइल्ड लाइन 181,102,108 तथा तीनो नए कानून के सम्बंध में भी जानकारी दी गयी।प्रभारी निरीक्षक श्री मिश्रा ने कहा कि महिलाओं के साथ अपराध के दौरान दिए गए हेल्प लाइन नम्बर पर तत्काल फोन कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।इस दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं वृद्धा पेंशन विधवा पेंशन कन्या सुमंगला योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस महिला सुरक्षा के प्रति सदैव सतर्क है।

देवरिया में दो बदमाशों का एनकाउंटर, छात्राओं के साथ की थी छेड़खानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया पुलिस ने एनकाउंटर में दो मनचलों को दबोच लिया है। इन मनचलों ने तीन दिन पहले स्कूल से घर लौट रही छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की थी। वहीं जब पुलिस ने इनकी पहचान कर पकड़ने की कोशिश की तो इन्होंने पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी। ऐसे में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इन बदमाशों के पैर में गोली मारकर दबोच लिया है। फिलहाल इन बदमाशों को इलाज के लिए देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां से उपचार के बाद इन्हें अदालत पेश किया जाएगा।

पुलिस ने इन मनचलों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इन मनचलों का एनकाउंटर देवरिया के तरकुलवां क्षेत्र के परासिया मार्ग पर हुआ। इनकी पहचान धीरज पटेल और रितिक पटेल के रूप में हुई है।

यह दोनों तरकुलवां क्षेत्र के ही रहने हैं। देवरिया के एडिशनल एसपी दीपेंद्र चौधरी के मुताबिक 4 अक्टूबर को दो छात्राएं स्कूल में पढ़ाई कर अपने घर लौट रहीं थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर चार मनचले आए और इन लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करने लगे।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना

आरोपियों की इस हरकत की वजह से एक बच्ची तो खेत में गिर गई, जबकि दूसरी शोर मचाते हुए थोड़ी दूरी पर मौजूद एक घर की ओर भागी। इस बच्ची को बदहवास हाल में भागते देख वहां मौजूद लोगों ने उसे रोका और फिर बदमाशों का पीछा किया। हालांकि उस समय यह बदमाश मौके से फरार हो गए थे। संयोग से घटना स्थल के पास ही एक सीसीटीवी कैमरा लगा था और यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। इसके बाद सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

परासिया मार्ग पर हुआ एनकाउंटर

पुलिस के मुताबिक, रविवार की शाम को सूचना मिली कि आरोपियों में से दो लोग परासिया मार्ग पर हैं। इस सूचना के बाद पुलिस ने इन मनचलों की घेराबंदी करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की गिरफ्त से भागने के लिए इन बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। ऐसे में पुलिस को भी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों के बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली मारकर दोनों बदमाशों को दबोच लिया है। एडिशनल एसपी दीपेंद्र चौधरी के मुताबिक दोनों को देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जहां से छुट्टी मिलने के बाद इन्हें अदालत में पेश कर जेल भेज दिया जाएगा।

डायमंड में सॉलिटियर तो सोने की लाइट वेट ज्वेलरी बनी पसंद, डेली यूज कड़े-मंगलसूत्र और जुड़ाऊ हार की मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। करवा चौथ और दीपावली को लेकर ज्वेलरी का बाजार तैयार है। सोने की लाइट वेट ज्वेलरी के साथ ही नए कलेक्शन ब्रांडेड से लेकर स्थानीय विक्रेताओं ने बाजार में उतारे हैं। डायमंड में सालिटियर को युवाओं में सर्वाधिक पसंद किया जा रहा है। सोना, कुंदन और जड़ाऊ बारीक कारीगरी को उतारा है।

सहालग के लिए भी बुकिंग

ब्राइडल सेट्स, चूड़ियां, मांग टीका, हार, झुमके, डायमंड सालिटियर के मंगलसूत्र सहित अन्य गहने उपलब्ध हैं। सहागल से लेकर करवा चौथ, धनतेरस, दीपावली के लिए बुकिंग हो रही है। सोने को लाइफ टाइम हाई देखने के बाद फिर से उतार-चढ़ाव ने बाजार में चमक बढ़ाई है। केंद्रीय बजट में 15 से छह

प्रतिशत कस्टम ड्यूटी रह जाने के बाद बाजार को खरीदार तेजी से मिले थे तो त्योहार और सहालग को लेकर फिर से खरीदरी और बुकिंग बढ़ी है। सोने में लाइटवेट आभूषणों की सबसे ज्यादा मांग है।

विक्रेताओं ने नई थीम और आकर्षक डिजायनों को उतारा

रोज गोल्ड के इटेलियन डिजायन ब्रेसलेट भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। विक्रेताओं ने नई थीम और आकर्षक डिजायनों को उतारा है। टेंपल कलेक्शन की परंपरागत मांग बाजार में बनी हुई है। तनिष्क ने क्षत्राणी का एहसास कराने के लिए नवरानी कलेक्शन बाजार में उतारा है। इसमें रानी लक्ष्मीबाई के मस्तिष्क का विजय तिलक, तलवार की पकड़ की डिजायन सहित किलों के छज्जों की बनावट, सुरक्षा के लिए प्रयोग में आने वाले ढाल और खंजर की डिजायन को ज्वेलरी में उकेरा है।

विशेष डिजाइन में नेकवियर, झुमके

श्री डी लेजर-कट मोतियों और कास्ट स्टैम्प से डिजाइन ज्वेलरी महफिल में विशेष लुक देंगे। इन विशेष डिजाइन में नेकवियर, झुमके, अंगूठी, कंगन आदि राजघराने की भव्यता को दिखाएंगे। आभूषण ज्वेलर्स के रीत कलेक्शन को सहालग और त्योहा दोनों को ध्यान में रखा गया है। दुल्हन के लिए सोना, कुंदन, जड़ाऊ और हीरे के आभूषण, ब्राइडल सेट्स, चूड़ियां, मांग टीका, हार, झुमके सहित अन्य गहनों का नया कलेक्शन है। कुंदन और जड़ाऊ बारीक कारीगरी इसको आकर्षक बना रही है।

बाजार में इस ज्वेलरी मांग खूब बढ़ी

बाजार में टेंपल ज्वेलरी की मांग भी खूब बनी हुई है। सोने के हार में डायमंड, असली पन्ना, रूबी सहित अन्य से जड़ा गया है। रोस कट डायमंड और मोतियों से जड़े हार की मांग भी खूब है। सालिटियर डायमंड रिंग, ईयर रिंग, पेंडेंट, ब्रासलेट का बड़ा कलेक्शन है। फ्यूजन ज्वेलरी की सबसे ज्यादा मांग है। डायमंड, सोलिटियर, पोलकी को आभूषणों में सर्वाधिक पसंद किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न रत्नों को भी प्रयोग किया गया है।

शादियों की हो रही बुकिंग

दीपावली के साथ ही शादियों के लिए आभूषण बुक करने वालों की बाजार में जमकर भीड़ है। शादियों के लिए मांगा टीका, हार, कंगन, नथ, मंगलसूत्र की डिजायन पसंद की जा रही है। हल्दी से लेकर सगाई, शादी, रिसेप्शन के लिए बुकिंग हो रही है। ब्रांड के कलेक्शन के साथ ही टेंपल, फ्यूजन ज्वेलरी को पसंद किया जा रहा है, तो कलर स्टोन वाले हार की भी मांग है।

पड़ोसी कासिब बना रहा था शादी के लिए दवाब, परेशान होकर पॉलिटेक्निक की स्टूडेंट फंदे पर लटकी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गुन्नौर/संभल। एक छात्रा का शव घर के ही कमरे में पंखे से बने फंदे से लटका मिला, मां ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को पड़ोस का ही एक युवक काफी दिन से परेशान कर रहा था और धर्म परिवर्तन के साथ शादी का दबाव बना रहा था जिससे तंग आकर उसने खुदकुशी की है। पुलिस ने इस मामले में आरोपित के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक मोहल्ले में रहने वाली छात्रा ने एक महीने पहले बदायूं के एक राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रवेश लिया था और कुछ दिन पहले अपने घर आई थी। शनिवार की रात्रि को वह घर पर ही एक कमरे में सोई थी। लेकिन रविवार की सुबह दरवाजा बंद देख मां ने उसे आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर पुलिस की मौजूदगी में गेट का सरकंडा तोड़ा गया। छात्रा वह फांसी

के फंदे पर लटकी हुई थी। फंदा छत के पंखे से बना हुआ था।

कासिब नाम का युवक कर रहा था परेशान

परिवार वालों ने बताया कि मोहल्ले का ही रहने वाला कासिब नाम का एक युवक उसे काफी दिन से परेशान कर रहा था और उस पर जबरन शादी का दबाव बना रहा था। इसके लिए वह धर्म परिवर्तन करने की भी कह रहा था। स्वजन का दावा है कि छात्रा ने परिवार वालों को घटना के बारे में पहले ही बता दिया था लेकिन जिस मोहल्ले में परिवार रहता है, उसमें दूसरे संप्रदाय की संख्या अधिक होने के चलते इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की।

पुलिस को मां ने दी शिकायत

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिसके बाद मृतका छात्रा की मां की ओर से पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस ने दावा किया कि सुबह में फंदे पर शव मिला था लेकिन तत्काल न तो परिवार वाले ने कोई आरोप लगाया और न ही इस संबंध में कोई शिकायत की गई।

गुन्नौर में एक युवती के द्वारा खुदकुशी का मामला सामने आया है। सुबह में हुई घटना के तत्काल बाद कोई तहरीर नहीं दी गई थी। हालांकि शाम को चार बजे के बाद तहरीर दी गई है। उसके आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी। कृष्ण कुमार बिश्नोई, पुलिस अधीक्षक, संभल।

'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ाकर निवेशकों को नई सुविधाएं देगी योगी सरकार

» -प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी' बनाने के लिए निवेश प्रक्रिया सरलीकरण समेत विभिन्न परियोजनाओं पर होगा काम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास कर रही है। सीएम योगी के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश ने इस दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। ऐसे में, अब इस प्रगति को नए आयाम देने की दिशा में योगी सरकार द्वारा दो अहम कदम उठाए गए हैं। एक ओर, प्रदेश में निवेश प्रक्रिया के सरलीकरण, तमाम प्रकार की मंजूरी और इन्सेंटिव प्रणाली का लाभ देने व निवेशकों को नई सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) में इन्वेस्टमेंट रिफॉर्म्स का डीटेल्ड मैकेनिज्म बनाया जाएगा। इसके जरिए इन्वेस्टमेंट प्रमोशन व फैसिलिटेशन का मार्ग प्रशस्त होगा और प्रक्रिया सरलीकरण में मदद मिलेगी। इसी प्रकार, इन्वेस्ट यूपी द्वारा निवेश मित्र पोर्टल के सिंगल विंडो प्लैटफॉर्म प्रणाली को और दुरुस्त करने पर फोकस किया जा रहा है। प्रक्रिया के अंतर्गत दो चरणों में बिजनेस यूजर्स के लिए यूनिफाइड जी2बी इंटरफेस, माइक्रो सर्विस आर्किटेक्चर, इंटीग्रेशन व एफिशिएंट कंटेंट मैनेजमेंट प्रणाली को पोर्टल से जोड़ा जाएगा।

आईपीआरएस रैंकिंग फ्रेमवर्क को विकसित करने पर फोकस

सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं में निवेश करने वाले निवेशकों को प्रक्रिया सरलीकरण समेत ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस के विभिन्न कॉम्पोनेंट्स का लाभ मिलना चाहिए। इसी दिशा में यूपीसीडा में डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) के मानकों के अनुरूप बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान (बीआरएपी) को लागू किया जाएगा। यह डीटेल्ड मैकेनिज्म की तरह कार्य करेगा जो यूपीसीडा के ऑफिशियल्स की परफॉर्मेंस में इजाफा करने, ऑनलाइन सर्विसेस के मॉडिफिकेशन व निवेश मित्र के साथ उसके इंटीग्रेशन का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसके साथ ही, इंडस्ट्रियल पार्क रेटिंग सिस्टम (आईपीआरएस रैंकिंग) का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

गैप ऐनालिसिस व इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्ट्रैटेजी पर होगा काम

यह यूपीसीडा के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में विकास व निवेश के अवसर तलाशने तथा गैप ऐनालिसिस के माध्यम से सुधार के क्षेत्रों में काम करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसके अतिरिक्त, इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्ट्रैटेजी के विकास व विस्तार, बिजनेस प्रॉसेस री-इंजीनियरिंग, नॉलेज क्रिएशन, डाटाबैंक मैनेजमेंट, बिजनेस प्रमोशन व मार्केटिंग, जीआईएस सिस्टम के इवैल्यूएशन समेत विभिन्न प्रकार के कार्यों का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 3 वर्षों की कार्यावधि के लिए एक कंसल्टेंसी एजेंसी को कार्य सौंपा जाएगा जिसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है।

निवेश मित्र पोर्टल की सिंगल विंडो प्रणाली में और सुविधाओं को जोड़ा जाएगा

सीएम योगी की मंशा अनुरूप, इन्वेस्ट यूपी द्वारा निवेश मित्र पोर्टल की सिंगल विंडो प्रणाली को और सुदृढ़ कर उसमें नई सुविधाओं को जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत दो फेज में कार्य को पूरा किया जाएगा। पहले फेज में डिजाइन, डेवलपमेंट व इंप्लिमेंटेशन से जुड़ी प्रक्रियाओं को पूरा किया जाएगा तथा दूसरे फेज में पोर्टल के ऑपरेशनल मेंटिनेंस पर फोकस किया जाएगा। इस प्रक्रिया के जरिए बिजनेस यूजर्स के लिए यूनिफाइड जी2बी इंटरफेस, माइक्रो सर्विस आर्किटेक्चर, इंटीग्रेशन व एफिशिएंट कंटेंट मैनेजमेंट प्रणाली को पोर्टल से जोड़े जाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

डिजिटल फैसिलिटेशन मैकेनिज्म में होगा सुधार

प्रक्रिया के अंतर्गत, डिजिटल फैसिलिटेशन मैकेनिज्म में और ज्यादा सुधार किया जाएगा। इसके जरिए, इन्वेस्ट यूपी द्वारा सुझाए गए नए मॉडल्यूल्स का विकास होगा। यह उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों की मौजूदा प्रणाली को सिंगल विंडो प्रणाली का एक्सेस और साथ ही राष्ट्रीय सिंगल विंडो प्रणाली के साथ एकीकरण का माध्यम सुनिश्चित करता है। इसके साथ ही निवेशकों को केवाईए (नो योर अप्रूवल्स), यूएएफ (यूनिफाइड एप्लिकेशन फॉर्म्स), डॉक्यूमेंट रिपोजिटरी, पेमेंट गेटवे, इंडीविजुअल लाइसेंस मॉड्यूल, ग्रीवांस रेड्रेसल, यूजर प्रोफाइल मैनेजमेंट मॉड्यूल, रिपोर्टिंग व डैशबोर्ड जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराता है जिसे और सुदृढ़ करने की तैयारी की जा रही है।

मोदी जी का प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए मार्गदर्शक : सीएम योगी

» मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में संवैधानिक पद पर सोमवार को नरेंद्र मोदी ने पूर्ण किए 23 वर्ष

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संवैधानिक पद पर 23 वर्ष पूर्ण कर लिए। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी ने लिखा कि मोदी जी के प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए उत्कृष्ट मार्गदर्शक और पाथेय हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के स्वप्नदृष्टा, 140 करोड़ देशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि के लिए अविराम साधनारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मां भारती की सेवा और लोक-कल्याण को समर्पित गौरवशाली 23 वर्ष आज पूर्ण हो गए हैं। मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में बिना थके, बिना रुके, बिना डिगे आपकी 23 वर्षों की लोक साधना में आस्था, अस्मिता, आधुनिकता, अंत्योदय और अर्थव्यवस्था को संरक्षण-संवर्धन मिलने के साथ ही हर स्तर पर वंचित को वरीयता प्राप्त हुई है।

हर योजना ने वंचितों व गरीबों के समग्र उत्थान को प्रदान किए हैं नए आयाम

सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि उनकी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) प्रत्येक नीति और हर योजना ने वंचितों-गरीबों के समग्र उत्थान को नए आयाम प्रदान किए हैं। स्वामी समर्थ रामदास की 'उपभोग शून्य स्वामी' की संकल्पना और चाणक्य नीति सूत्र के 'राजा प्रथमोसेवक' की परिभाषा को साकार कर रहे प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में 'नया भारत' आज वैश्विक महाशक्ति बनने के मार्ग पर सतत अग्रसर है। वे सच्चे अर्थों में आधुनिक भारत में 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के वास्तुकार हैं। उनका जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है।

सेवा, सुशासन व सुरक्षा को समर्पित रहे 23 वर्ष

सीएम योगी ने लिखा कि सेवा, सुशासन और सुरक्षा को समर्पित प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए उत्कृष्ट मार्गदर्शक और पाथेय हैं। मां भारती को परम वैभव तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त करते 23 वर्षों की यशस्वी यात्रा के लिए प्रधानमंत्री जी को हार्दिक बधाई!

शक्ति सदन योजना के तहत 81 लाख रुपये मंजूर

लखनऊ, उत्तर प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत वृंदावन, मथुरा में स्थित निराश्रित महिलाओं के लिए संचालित 1000 क्षमता वाले शक्ति सदन के लिए 81 लाख रुपये की धनराशि मंजूर की है। यह राशि शक्ति सदन (होम फॉर विडोज) योजना के अंतर्गत स्वीकृत की गई है, जो कुल 242.75 लाख रुपये के प्रावधान का हिस्सा है। मंजूर की गई राशि निदेशक, महिला कल्याण विभाग के निवर्तन पर रखी गई है और इसके संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं।जारी शासनादेश के अनुसार, निदेशक, महिला कल्याण को यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग संबंधित योजना के अंतर्गत और नियमानुसार हो। इसके अलावा, यह भी ध्यान रखा जाएगा कि इस योजना के लिए मंजूर की गई धनराशि का पुनः आहरण न हो। वित्तीय मंजूरी उसी कार्य के लिए दी गई है जिसके लिए इसका उपयोग नियमानुसार किया जाएगा।

नगर विकास मंत्री ए .के . शर्मा ने वाराणसी की सफाई एवं मार्ग व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने वाराणसी की सफाई व्यवस्था, सीवर, जल निकासी, जलापूर्ति, और मार्ग प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने के सख्त निर्देश निकाय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, और छठ पूजा जैसे त्योहारों के दौरान वाराणसी में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है, इसीलिए शहर की व्यवस्थाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। मंत्री ने गंगा और अन्य नदी घाटों की सफाई सुनिश्चित करने, सड़कों को जल्द से जल्द गड्ढामुक्त करने, और स्ट्रीट लाइटों को सही करने के निर्देश दिए, ताकि कहीं भी अंधेरा न हो। उन्होंने कहा कि सफाई कार्यों में लापरवाही नहीं होनी चाहिए और डोर टू डोर कूड़ा उठान और प्रबंधन पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

शुक्रवार को जल निगम के फील्ड हॉस्टल 'संगम' में हुई वर्चुअल समीक्षा बैठक में मंत्री ने बनारस की सफाई, सुंदरीकरण, और नागरिक सुविधाओं में ढिलाई नहीं बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बनारस में गंदगी को सहन नहीं किया जाएगा। मंत्री ने 62,000 स्ट्रीट लाइटों में से 7,100 खराब लाइटों को ठीक कराने का निर्देश दिया, ताकि नवरात्रि के दौरान पूरे शहर में रोशनी बनी रहे। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव की जिम्मेदारी नगर विकास विभाग की है और बिना अनुमति के कोई कार्य कराने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास, सचिव नगर विकास, निदेशक नगरीय निकाय, महापौर वाराणसी, नगर आयुक्त वाराणसी और ईएसएसईएल कंपनी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

उ0प्र0 गोसेवा आयोग में उपाध्यक्ष और सदस्यों ने पदभार ग्रहण किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री द्वारा निराश्रित गोवंशों/पंजीकृत गोशालाओं में संरक्षित गोवंशों के भरण-पोषण हेतु और वृहद स्तर पर गोवंश आधारित प्राकृतिक कृषि मॉडल को उत्तर प्रदेश में लागू करने हेतु उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्षों एवं सदस्यों को मनोनीत किया गया है। आज इन्दिरा भवन स्थित उ0प्र0 गोसेवा आयोग कार्यालय के सभागार में महेश कुमार शुक्ल ने उपाध्यक्ष, दीपक गोयल ने सदस्य और रमाकान्त उपाध्याय ने सदस्य के रूप में पद्भार ग्रहण किया।इस अवसर पर उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल ने गौ संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि गोवंश को प्रदेश के किसानों एवं पशुपालकों के लिए समृद्धि का आधार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण में योगदान देना हमारे लिए सौभाग्य का विषय है। सदस्य दीपक गोयल ने गो संरक्षण एवं निराश्रित गोवंशों के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की और कहा कि इस क्षेत्र में अभी और कार्य करना बाकी है, जिसे अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के नेतृत्व में पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ किया जाएगा।सदस्य रमाकान्त उपाध्याय ने विश्वास व्यक्त किया कि नवगठित आयोग गो संरक्षण एवं गो संवर्धन की दिशा में मुख्यमंत्री के संरक्षण में नए आयाम स्थापित करेगा। आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि आयोग जल्द ही बोर्ड की बैठक बुलाकर कार्ययोजना तैयार करेगा और मुख्यमंत्री के संकल्प को साकार करके दिखाएगा। आज आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्षों एवं सदस्यों ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की और उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। गोवंश के महत्व से प्रदेश को अवगत कराने और भविष्य में गोवंशों के संरक्षण व संवर्धन हेतु कार्ययोजना तैयार करने का संकल्प लिया गया।माननीय पदाधिकारियों के मनोनयन के लिए आयोग के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

जेवर एयरपोर्ट पर एक्सपोर्ट हब स्थापित करेगी योगी सरकार, कृषि उत्पादों के निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

यूपी एग्रीज परियोजना के अतंर्गत हब को किया जाएगा स्थापित, 2 से 3 उपज का बड़े पैमाने पर होगा निर्यात

» सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश में 2 से 3 विश्व स्तरीय हैचरी की स्थापना को लेकर भी जल्द शुरू होगी प्रक्रिया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के किसानों की आय, कृषि उत्पादकता एवं कृषि से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए यूपी एग्रीज परियोजना के तहत जेवर एयरपोर्ट के पास एक्सपोर्ट हब की स्थापना करने जा रही है। इसे विश्व बैंक की मदद से धरातल पर उतारा जाएगा। इसके अलावा विश्व स्तर पर 2 से 3 उपज का बड़े पैमाने पर निर्यात करने के लिए कृषि एसईजेड (स्पेशल इकॉनमिक जोन) की स्थापना की जाएगी। साथ ही, 2 से 3 विश्व स्तरीय हैचरी भी स्थापित की जाएगी। सीएम योगी ने यूपी एग्रीज योजना के तहत किसानों को कृषि क्षेत्र में ऋण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिये हैं। योगी सरकार का यह प्रयास प्रदेश के कृषि सेक्टर को पूरे देश का पावर हाउस बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के एग्रीकल्चर सेक्टर की तस्वीर बदलने एवं कृषि उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए हाल ही में उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल इंटरप्राइजेज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी एग्रीज) परियोजना को हरी झंडी दी है। इसके तहत कृषि उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए जेवर एयरपोर्ट के पास एक्सपोर्ट हब की स्थापना की जाएगी। इसके जरिये, हाई वैल्यू कृषि उत्पाद जैसे मूंगफली, सब्जी, काला नमक चावल, तिल आदि को विदेशों में एक्सपोर्ट किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मीट, बासमती चावल, फल-सब्जियां व खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर से जुड़े विभिन्न प्रकार के प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट उत्तर प्रदेश बड़े स्तर पर करता है। ऐसे में, कृषि उत्पादों के जरिये एक्सपोर्ट की प्रक्रिया को बढ़ाया जाएगा। इसके लिए यहां 30,750 क्लस्टर फार्मर्स ग्रुप को विकसित किया जाएगा। वहीं, एक्सपोर्टर्स के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना की जाएगी।

कृषि उत्पादों के लिए स्थापित किये जाएंगे स्पेशल इकोनॉमी जोन

यूपी एग्रीज परियोजना के तहत प्रदेश के कृषि उत्पाद की 2 से 3 उपज को बड़े पैमाने पर निर्यात करने के लिए कृषि (स्पेशल इकोनॉमी जोन) एसईजेड की स्थापना की जाएगी, जो फॉरवर्ड लिंकेज और निर्यात बाजारों के बड़े हिस्से पर कब्जा करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इन्हें प्रदेश के 11 जिलों में विकसित किया जाएगा। इनमें काला नमक चावल के लिए सिद्धार्थनगर और गोरखपुर में एसईजेड की स्थापना की जाएगी। वहीं मूंगफली के लिए झांसी, उरद के लिए ललितपुर, सब्जियों के लिए जौनपुर, भदोही, बनारस, गाजीपुर और बलिया में एसईजेड की स्थापना की जाएगी। परियोजना के तहत अगले पांच वर्षों में प्रदेश की प्रमुख फसलों की उत्पादकता में 30 से 50 प्रतिशत की वृद्धि के लिए व्यापक कदम उठाए जाएंगे। इससे किसानों की आय में कम से कम 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी होगी। इसके अलावा, जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक विश्व स्तरीय कार्बन क्रेडिट मार्केट की स्थापना की जाएगी। प्रदेश के अन्नदाताओं को मौसम की सटीक की सूचना देने के लिए स्थानीय मौसम स्टेशन की स्थापित किया जाएगा। इसी तरह मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए 2 से 3 विश्व स्तरीय हैचरी की स्थापना की जाएगी।

यूपी के किसानों में बढ़ा केले की खेती का क्रेज

» पूर्वांचल, अवध के कई जिलों में परंपरागत फसलों का विकल्प बना केला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कम समय की नकदी फसल और पूरे साल मांग बनी रहने के नाते उत्तर प्रदेश के किसानों को केले की खेती खूब रास आ रही है। प्रदेश के पूर्वांचल, अवध आदि क्षेत्रों के कुशीनगर, गोरखपुर, देवरिया, बस्ती, महाराजगंज, अयोध्या, गोंडा, बहराइच, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, प्रतापगढ़, अमेठी, कौशाम्बी, सीतापुर और लखीमपुर जिलों में केले की खेती होती है।

योगी सरकार द्वारा केले की प्रति हेक्टेयर खेती पर करीब 31 हजार रुपये का अनुदान दिया जाता है। पारदर्शी तरीके से अनुदान पर मिलने वाले कृषि यंत्रों का वितरण और सिंचाई के अपेक्षाकृत प्रभावी ड्रिप और स्प्रिंकलर और सोलर पंप पर मिलने वाले अनुदान के नाते किसानों का क्रेज केले जैसी नकदी फसलों की ओर और बढ़ा है।

दक्षिण से उत्तर भारत तक केले की यात्रा

परंपरागत रूप से केला दक्षिण भारत की फसल है। पर, कुछ दशक पूर्व महाराष्ट्र के भुसावल और इसके आसपास के कुछ इलाकों में इसकी खेती शुरू हुई तो भुसावल और केला (चित्तीदार) एक दूसरे के पर्याय बन गए। देखते-देखते भुसावल का हरी छाल केला पूरे उत्तर भारत के बाजार में छा गया। करीब दो दशक पहले बिहार के नौगछिया के केले ने भुसावल के हरी छाल को लगभग बाजार से बाहर कर दिया। बिहार से सटे कुशीनगर के किसान बड़े पैमाने पर इसकी खेती कर रहे हैं।

भारत और उत्तर प्रदेश में केले का उत्पादन

केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान रहमानखेड़ा, लखनऊ से मिले आंकड़ों के अनुसार पूरे भारत में लगभग 3.5 करोड़ मीट्रिक टन केले का उत्पादन होता है। देश में केले की फसल का रकबा करीब 9,61,000 हेक्टेयर है। उत्तर प्रदेश में करीब 70,000 हेक्टेयर रकबे में केले की खेती हो रही है। कुल उत्पादन 3.172 लाख मिट्रिक टन और प्रति हेक्टेयर उपज 45.73 मिट्रिक टन है।

सिर्फ आर्थिक ही नहीं, धार्मिक और पोषण के लिहाज से भी केला बेहद महत्वपूर्ण

केला आर्थिक के साथ धार्मिक और पोषण के लिहाज से भी बेहद महत्वपूर्ण है। कोई भी धार्मिक अनुष्ठान केले और इसके पत्ते के बिना पूरा नहीं होता। केला रोज के नाश्ते के अलावा व्रत में भी खाया जाता है। केले के कच्चे, पके फल और तने से निकलने वाले रेशे से ढेर सारे सह उत्पाद बनने लगे हैं।

पूरे साल की उपलब्धता केले को बाकी फलों से खास बनाता है

बाजार में मौसमी फलों की उपलब्धता सीजन के कुछ महीनों तक रहती है, लेकिन केला उन चुनिंदा फलों में से है जो लगभग पूरे वर्ष उपलब्ध रहता है। अधिकांश फलों को खाने के लिए धोने, काटने की आवश्यकता होती है लेकिन केले को बिना किसी समस्या के छील कर भी खा सकते हैं।

केले में मौजूद पोटैशियम हाई बीपी को नियंत्रित करने में मददगार

केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक टी. दामोदरन के अनुसार केला पोषण के लिहाज से भी खासा महत्त्वपूर्ण है। अन्य पोषक तत्वों के अलावा इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम तो होता ही है, यह कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट

और विटामिन बी-6 का भी अच्छा स्रोत है। पोटेशियम हृदय की सेहत, विशेष रूप से रक्तचाप प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। पोटेशियम युक्त आहार रक्तचाप को प्रबंधित करने और उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। यह हृदय रोग का जोखिम 27 फीसद तक कम कर सकता है।

एक केले से मिल जाती है जरूरत की एक चौथाई विटामिन बी-6

केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक प्रभात कुमार शुक्ला के अनुसार केले से प्राप्त विटामिन बी-6 आसानी से शरीर में अवशोषित हो जाता है। एक मध्यम आकार का केला दैनिक विटामिन बी-6 की जरूरतों का लगभग एक चौथाई प्रदान कर सकता है। यह विटामिन लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन, कार्बोहाइड्रेट और वसा के चयापचय के लिए आवश्यक है। यह उन्हें ऊर्जा में बदलता है, यकृत और गुर्दे से अवांछित रसायनों को हटाता है, और एक स्वस्थ तंत्रिका तंत्र को बनाए रखता है।

दीपोत्सव-2024 में दिव्य अयोध्या मोबाइल एप्लिकेशन से श्रद्धालुओं को मिलेगी अयोध्या की संस्कृति और इतिहास की जानकारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार दीपोत्सव-2024 का भव्य आयोजन करने जा रही है, जिसमें सरयू नदी के तट और राम की पैड़ी पर रिकॉर्ड संख्या में दीप जलाए जाएंगे। इस अवसर पर देश-विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के अयोध्या आने की संभावना है।इस वर्ष, दिव्य अयोध्या मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से विश्वभर में डिजिटल दीप प्रज्वलित करने की व्यवस्था की गई है। यह एप्लिकेशन अयोध्या की संस्कृति, इतिहास और विभिन्न आयामों की जानकारी श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराएगी। इसके जरिए श्रद्धालुओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार की रणनीति भी बनाई गई है।अयोध्या विकास प्राधिकरण ने दीपोत्सव मेले में दिव्य अयोध्या ऐप के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की है। यह एप्लिकेशन अयोध्या आने वाले पर्यटकों के लिए होम स्टे, गाइडेड टूर, टैक्सी सेवाएं और अन्य आवश्यक सेवाओं को एकल प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस ऐप के माध्यम से श्रद्धालुओं की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा। इसमें ठहरने के लिए होमस्टे, इलेक्ट्रिक कार, 50 इलेक्ट्रिक बसों की रूट स्थिति, संचालन का समय, ऑनलाइन टिकट बुकिंग, व्हील चेयर, और प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है।इस मोबाइल ऐप में स्थानीय व्यंजनों, पार्किंग की ऑनलाइन बुकिंग, और अयोध्या विजन-2047 की जानकारी भी मिलेगी। यह ऐप भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में जानकारी उपलब्ध कराएगा, जिससे विभिन्न भाषा-भाषियों को सहायता मिलेगी।भविष्य में, इस ऐप को एकीकृत नियंत्रण और कमान केंद्र से जोड़ा जाएगा, जिससे नगर में सफाई व्यवस्था और गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सकेगी। दिव्य अयोध्या मोबाइल ऐप के माध्यम से सरयू में संचालित क्रूज, नाव, और म्यूजिकल फाउंटेन के साथ टेंट सिटी की बुकिंग और ओडीओपी उत्पादों की बिक्री भी की जाएगी।

एक सनातन धर्म के खिलाफ तो दूसरा बना रक्षक, दोनों की राजनीतिक जंग में किसकी होगी जीत?

दक्षिण की राजनीति में दो राजनेता हाल के समय में तेजी से उभर कर आये हैं। एक हैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन जिन्होंने सनातन धर्म का विरोध कर अपना राजनीतिक कॅरियर चमकाया और राज्य के उपमुख्यमंत्री पद पर जा पहुँचे। दूसरे नेता हैं फिल्मों से राजनीति में आये पवन कल्याण जिन्होंने सनातन धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पद पर जा पहुँचे। अब स्थिति यह है कि एक उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण चेतावनी देते हैं कि सनातन को मिटाने की इच्छा रखने वाले खुद मिट जायेंगे तो जवाब में दूसरे उपमुख्यमंत्री उदयनिधि कहते हैं कि देखते हैं।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष पवन कल्याण की 'सनातन धर्म' संबंधी टिप्पणी पर अपनी सधी हुई प्रतिक्रिया देते हुए सिर्फ इतना कहा, ''देखते हैं और इंतजार करते हैं।" जब पत्रकारों ने पवन कल्याण की चेतावनी पर उदयनिधि की प्रतिक्रिया मांगी, तो उन्होंने कहा, ₹ठीक है, इंतजार करते हैं और देखते हैं।" हम आपको याद दिला दें कि उदयनिधि ने पिछले साल 'सनातन' के 'उन्मूलन' की अपील की थी, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने पिछले साल सितंबर में यह टिप्पणी करके राजनीतिक आक्रोश पैदा कर दिया था कि 'सनातन धर्म' को मिटा दिया जाना चाहिए। इस धर्म को मच्छरों, डेंगू, मलेरिया, बुखार और कोरोना के बराबर बताते हुए उन्होंने कहा था कि इसे उन बीमारियों की तरह खत्म कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म का समूल नाश दरअसल मानवता और समानता को बनाए रखने के हित में होगा। उदयनिधि ने बाद में स्पष्ट किया था कि उन्होंने कभी भी 'सनातन धर्म' का पालन करने वाले लोगों के नरसंहार का आह्वान नहीं किया। हालांकि उन्होंने कहा कि यह धर्म लोगों को जाति एवं धर्म के नाम पर विभाजित करता है।

जहां तक पवन कल्याण के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा था कि 'सनातन धर्म' का विरोध करने वालों का सफाया हो जाएगा। जनसेना पार्टी के प्रमुख ने कहा था कि आप सनातन धर्म को खत्म नहीं कर सकते। अगर कोई सनातन धर्म को खत्म करने की कोशिश करेगा, तो बता दूं, आप खत्म हो जाएंगे। पवन कल्याण ने तिरुपति लड्डू विवाद पर ₹वराही घोषणा₹ पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''यह मत कहिए कि सनातन धर्म एक वायरस की तरह है और यह नष्ट कर देगा... जिसने भी यह कहा है, मैं आपको बता दूं सर... आप सनातन धर्म को मिटा नहीं सकते। अगर कोई सनातन धर्म को मिटाने की कोशिश करता है, तो मैं आपको बता दूं, भगवान बालाजी के समक्ष कह रहा हूं, आप मिट जाएंगे।''

पवन कल्याण ने साथ ही लड्डू में मिलावट के मुद्दे को पिछले पांच सालों से ''सनातन धर्म'' पर किया जा रहा हमला बताया। हम आपको बता दें कि पवन कल्याण ने इस सप्ताह तिरुमला मंदिर में अपनी 11 दिवसीय तपस्या (प्रायश्चित दीक्षा) संपन्न की थी जो उन्होंने पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार के कथित पापों का प्रायश्चित करने के लिए की थी। बहरहाल, दक्षिण की राजनीति में धर्म पहले इतनी प्रभावी भूमिका नहीं निभाता था जितनी अब देखी जा रही है। देखना होगा कि पवन कल्याण और उदयनिधि स्टालिन के बीच शुरू हुई यह राजनीतिक जंग किस मुकाम पर पहुँचती है।

सर्वोच्च न्यायालय को आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण के बारे में ज्यादा चिंता रही होगी

पवन कल्याण का मानना है कि 'हां', हिंदू देवता असहाय हैं। भगवान वेंकटेश्वर और उनके भक्तों को खिलाये गये लड्डू का हश्र देखिए। तिरुपति के लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले घी जैसी महत्वपूर्ण चीज भी बेअसर हो गई है और भगवान कुछ भी नहीं कर सकते।

सुशील कुट्टी

सर्वोच्च न्यायालय को आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण के बारे में ज़्यादा चिंता रही होगी, जो सनातन धर्म को अपने भगवा रंग में पहनते हैं। पवन कल्याण और उदयनिधि स्टालिन दोनों ही अभिनेता-राजनेता हैं। वे टॉलीवुड और कॉलीवुड में अपने फ़िल्मी करियर के दौरान देवताओं को राजनीति के साथ मिलाते रहे हैं।

तिरुपति के लड्डू सर्वोच्च न्यायलय के आदेश पर नियुक्त जांचकर्ताओं की एक मिलीजुली टीम के मुंह में हैं। टीम में दो सीबीआई अधिकारी शामिल हैं। क्या इससे तिरुपति-तिरुमाला के भगवान वेंकटेश्वर को न्याय मिलने में तेज़ी आयेगी? टीम इसमें कितनी और कब तक सफल हो पायेगी? इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, क्योंकि पिछले कुछ समय से सीबीआई की छवि बहुत खराब हो गई है। तिरुपति के लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये गये घी में गोमांस की चर्बी, मछली का तेल और सूअर की चर्बी मिला हुआ पाया गया, जैसा कि एक जांच रपट के आधार पर दावा किया गया है, हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने अभी उसे पुख्ता प्रमाण नहीं माना है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू ने इस खोज को भगवान वेंकटेश्वर के संकेत के रूप में लिया और अपने पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ़ अभियान शुरू किया, जिसमें उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण सनातन धर्मावलंबियों की सेना का नेतृत्व कर रहे हैं।

यह सेना गाय को कूड़े के ढेर और प्लास्टिक के कचरे के लिए छोड़ देगी, लेकिन गोमांस सहित किसी भी 'गोमांस' से कभी कोई लेना-देना नहीं रखेगी। यह आस्था का मामला है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। शायद यह तमिलनाडु के नये उप-मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के लिए संदेश हो, जिनके सनातन धर्म के खिलाफ़ कटु आलोचना से राजनेताओं और चिकित्सकों दोनों के ही समुदाय वाकिफ़ हैं। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय को आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण के बारे में ज़्यादा चिंता रही होगी, जो सनातन धर्म को अपने भगवा रंग में पहनते हैं। पवन कल्याण और उदयनिधि स्टालिन दोनों ही अभिनेता-राजनेता हैं। वे टॉलीवुड और कॉलीवुड में अपने फ़िल्मी करियर के दौरान देवताओं को राजनीति के साथ मिलाते रहे हैं। कल्याण के टॉलीवुड में इसकी शुरुआत एनटी रामाराव के मुख्यमंत्री बनने से हुई, क्योंकि उनके धार्मिक-फिल्मी अभिनय ने उन्हें जनता की नज़र में देवता बना दिया था। तमिलनाडु में एमजीआर सबसे आगे थे।

तिरुपति तिरुमाला मंदिर ने उन्हें कभी निराश नहीं किया। इन अभिनेताओं का करियर तिरुपति मंदिर में चढ़ाये गये प्रसाद के बल पर तेजी से आगे बढ़ा। पवन कल्याण जैसे किसी व्यक्ति ने हजारों-हजारों तिरुपति लड्डू चढ़ाये होंगे। उदयनिधि स्टालिन ने शायद ऐसा नहीं किया होगा, क्योंकि वे एक अलग राजनीतिक ढांचे से बने हैं। यही वह बात है, जिस पर सारा विवाद है।

यह इंडिया गठबंधन और एनडीए के बीच का मामला है। क्या राजनेता वास्तव में इस बात की परवाह करते हैं कि तिरुपति लड्डू बनाने में क्या-क्या होता है? शायद इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि देवताओं को राजनीति में न लाया जाये, जैसे कि देवता असहाय हों।

पवन कल्याण का मानना है कि 'हां', हिंदू देवता असहाय हैं। भगवान वेंकटेश्वर और उनके भक्तों को खिलाये गये लड्डू का हश्र देखिए। तिरुपति के लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले घी जैसी महत्वपूर्ण चीज भी बेअसर हो गई है और भगवान कुछ भी नहीं कर सकते। कोई आश्चर्य नहीं कि पवन कल्याण इतने भड़के हुए हैं और हथियार उठा रहे हैं।

अपने उत्साह और भक्ति में, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरुपति के लड्डू के इर्द-गिर्द शोर मचा दिया है। तिरुपति के लड्डू के इर्द-गिर्द आक्रोश को सनातन धर्म की संपूर्णता तक फैला दिया है और इस प्रक्रिया में, अपने हिंदू-द्वेषी तमिलनाडु के समकक्ष, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को निशाना बनाया है।

प्रतिक्रिया ठंडी थी। द्रमुक की ओर से कहा गया कि वह पार्टी 'किसी भी धर्म या विशेष रूप से हिंदू धर्म के बारे में बात नहीं करता है', लेकिन 'जाति अत्याचार, अस्पृश्यता और जाति पदानुक्रम के खिलाफ बात करना जारी रखेगा।' उपमुख्यमंत्रियों की लड़ाई में, यह इसे खत्म करने में मदद नहीं करता है। पवन कल्याण का कहना है कि तिरुपति के लड्डू में मिलावट 'हिमशैल की नोक' है और भ्रष्टाचार की जांच निष्कर्ष तक होनी चाहिए।

पवन कल्याण ने पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी पर निशाना साधने से पहले ही रोक लगा दी। उनकी मौखिक मिसाइलें केवल 'तमिलनाडु के नेता के लिए थीं, जो कहते हैं कि 'सनातन धर्म' एक वायरस की तरह है और इसे नष्ट किया जाना चाहिए।' उदयनिधि स्टालिन ने तर्क दिया है कि सनातन धर्म को मिटा दिया जाना चाहिए, न कि केवल इसका विरोध किया जाना चाहिए।

पवन कल्याण द्वारा उदयनिधि स्टालिन के हिंदू धर्म पर रुख पर विरोधी सख्त रुख अपनाने के साथ वह भगवान तिरुपति लड्डू को लेकर राजनीतिक विवाद में शामिल हो गये हैं। उनके पास अपनी मिसाइलों को दागने के लिए भाजपा का कंधा है। भाजपा, टीडीपी और पवन कल्याण की जन सेना दक्षिण भारत में देवताओं को राजनीति में लाने के लिए सबसे आगे हैं, भले ही सर्वोच्च न्यायालय कुछ भी कहे या न कहे।

जहां तक उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का सवाल है, सनातन धर्म के 'नरसंहार' को रोका जाना चाहिए। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने तिरुपति में एक रैली में कहा, 'सनातन धर्म को मत कहो, यह वायरस की तरह है और नष्ट कर देगा। जिसने भी यह कहा, मैं आपको बता दूं कि आप सनातन धर्म को मिटा नहीं सकते। अगर कोई कोशिश करेगा... तो आप मिट जाएंगे।' 'मैं एक बेबाक सनातनी हिंदू हूं। मैं बहुत स्पष्ट हूं।' तो, क्या मंदिर की राजनीति दक्षिण में आ गई है? जिनके पास कई भगवान हैं, वे ईश्वरविहीन लोगों से लड़ रहे हैं। डीएमके ने पवन कल्याण और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दोनों की निंदा की और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने के लिए उनकी आलोचना की। डीएमके के एक प्रवक्ता ने कहा कि पवन कल्याण, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और भाजपा 'हिंदू धर्म और मानवता के असली दुश्मन' हैं।

इसके साथ ही, डीएमके ने सनातन धर्म के अस्तित्व को स्वीकार किया है, न कि उसके उन्मूलन को। तो, क्या 'धर्म और हिंदू देवताओं का राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग करना' पेरियारवादियों और सनातनियों के बीच युद्ध का अगला स्तर है। पवन कल्याण 'सनातन धर्म' की रक्षा के लिए एक अखिल भारतीय समिति का गठन चाहते हैं और चेतावनी देते हैं कि 'किसी भी रूप में सनातन धर्म का अपमान' बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। तो, पवन कल्याण और सर्वोच्च न्यायालय अभिनीत इस फिल्म में 'बिगब्रदर इज़ वॉचिंग' की भूमिका कौन निभा रहा है, जिसमें उदयनिधि स्टालिन, जगन मोहन रेड्डी और चंद्रबाबू नायडू भी प्रमुख भूमिका में हैं? तिरुपति लड्डू की मुख्य भूमिका होगी, जिसमें ग्रामीण वातावरण पृष्ठभूमि के रूप में होगा, नायिका तिरुपति लड्डू के लिए घी प्राप्त करने के लिए दूध को मथती है।

अजब-गजब

जिस पिता ने बड़े अरमानों से बेटे को दिलाई थी बाइक, खुद चौराहे पर खड़ी कर लगा दी आग

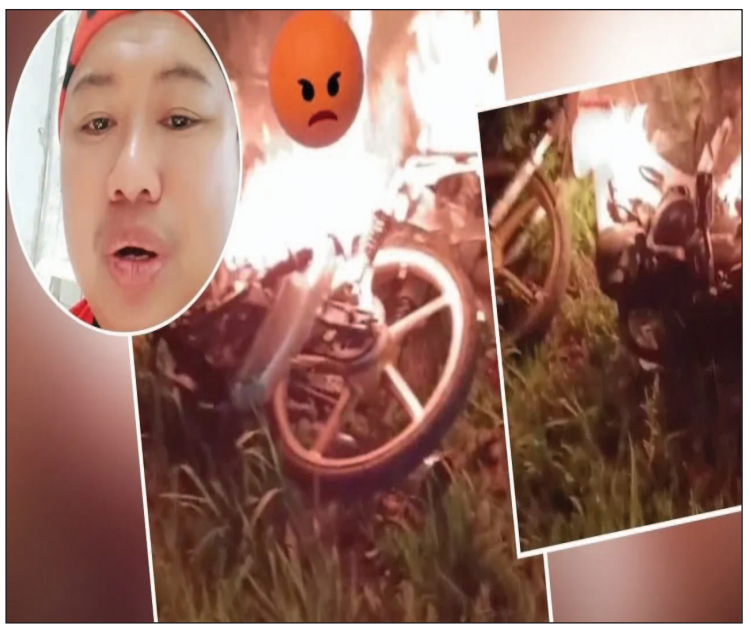

मां-बाप अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर किस हद तक परेशान हो सकते हैं, मलेशिया में इसकी ताजा बानगी देखने को मिली। यहां एक पिता ने बड़े अरमानों से अपने बेटे को बाइक खरीदकर दी थी, लेकिन बाद में खुद ही बीच चौराहे पर गाड़ी खड़ी कर उसे आग के हवाले कर दिया। इतना ही नहीं, शख्स ने बाकायदा इसका पूरा वीडियो रिकॉर्ड किया उसे सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। आखिर ऐसा क्या हुआ, जो एक पिता इतना कठोर बन गया।

हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है कि उनके बच्चों को वो तमाम सुविधाएं मिले, जिनकी उन्हें जरूरत होती है। लेकिन कई मर्तबा ये सुविधाएं मुसीबत का कारण भी बन जाती हैं, जिसके बाद न चाहते हुए भी माता-पिता को कठोर कदम उठाने पड़ते हैं। मलेशिया के कुआलालम्पुर से ऐसा ही एक मामला सामने आया है।

लोकल मीडिया आउटलेट 'सिन च्यू डेली' के अनुसार, शाह आलम नाम के एक व्यक्ति ने अपने बेटे को खुद बाइक खरीदकर दी थी, ताकि वह आराम से स्कूल जा सके। लेकिन जब उसने बाइक का दुरुपयोग करना शुरू किया, और खतरे की संभावनाएं बढ़ने लगीं तब पिता ने ऐसा कदम उठाया, जिसकी बेटे ने भी कल्पना नहीं की थी। शख्स ने गाड़ी में आग लगाकर उसे राख कर दिया। सोशल मीडिया यूजर्स शाह आलम के सख्ती के तरीके पर सवाल उठा रहे हैं।

शख्स ने अपने वीडियो में बताया कि उसका बेटा बाइक चलाने का आदी हो चुका था। वो खतरनाक रेस में हिस्सा लेने लगा था। काफी देर से घर लौटता था। इस कारण हमेशा बेटे की सुरक्षा का डर सताता रहता था। शाह आलम ने कहा, 'कई बार समझाने की कोशिश की, पर वो नहीं माना। ऐसे में मैंने फैसला किया कि एक्सीडेंट में बेटे की जान जाए, उससे पहले बाइक को ही नष्ट कर दूंगा।' इस घटना को लेकर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं थीं। जहां अधिकांश लोगों ने शाह आलम के कदम की आलोचना करते हुए कहा कि किसी भी समस्या को हल करने के कई तरीके होते हैं। गुस्से में उठाया गया कदम सही नहीं होता। बाइक जलाने का तरीका बच्चे के मन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। बेहतर होता कि बातचीत या अन्य तरीकों से इस मसले को सुलझाया होता। वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि कभी-कभी कठोर फैसले भी लेने पड़ते हैं। बाइक बच्चे से बढ़कर नहीं है।

ब्लॉग

झारखंड में भाजपा के लिए एक नई चुनौती : कल्पना सोरेन

शकील अख्तर

परिस्थितियोंवश एक महिला नेता का उदय हो जाना जेएमएम के लिए वरदान बन गया। अभी जिन दो राज्यों जम्मू-कश्मीर, हरियाणा में चुनाव हो चुके और जिन दो राज्यों में महाराष्ट्र, झारखंड में होना हैं, वहां केवल झारखंड ही ऐसा है जहां इंडिया गठबंधन को अपनी सरकार बचाना है। बाकी तीन राज्यों में उसे भाजपा एनडीए से छीनना है। इसलिए सरकार बचाने की लड़ाई बाकी तीन राज्यों के मुकाबले मुश्किल है।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के रिजल्ट से पहले भाजपा झारखंड को लुभा लेना चाहती है। ८ अक्टूबर को क्या होगा इसका शायद उसे अंदाजा है। इसलिए उसने पंचप्रण के नाम से झारखंड में घोषणाओं की बौछार कर दी। मजेदार बात यह है कि यह ऐसी घोषणाएं हैं जो वह पहले दूसरे राज्यों में भी कर चुकी है। मगर जीतने के बाद भूल भी गई।

नाम रखने में तो वह माहिर है। सूरदास का नाम नयनसुख रख सकती है। तो लक्ष्मी जोहार के नाम से पांच में एक योजना ५०० रुपए में गैस सिलेंडर है। राजस्थान में यह वादा था। मगर किसी महिला को नहीं मिला। इसी योजना जिसे बहुत बड़ा नाम प्रण कहा गया है, में दो सिलेंडर मुफ्त देने का भी वादा है।

अभी अमित शाह ने तो कश्मीर में ईद और मोहर्रम पर एक-एक सिलेंडर मुफ्त देने की घोषणा की थी। वहां तो अभी रिजल्ट आना है। मगर देखा जाए तो इसका रिजल्ट से क्या ताल्लुक? गैस सिलेंडर तो केन्द्र सरकार के क्षेत्राधिकार में है। अमित शाह को देना चाहिए। लेकिन आज तक किस राज्य में बीजेपी की सरकार मुफ्त सिलेंडर दे रही है और कहां ५०० रुपए में?

हरियाणा, जम्मू-कश्मीर का नतीजा आने दीजिए लोग अब यह सवाल पूछेंगे। लोगों में डर खत्म हो रहा है। दूसरी मजेदार घोषणा है सुनिश्चित रोजगार! यह वादा करने से पहले वे भूल गए कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में जैसा एक्जिट पोल कह रहे हैं, वैसा ही रिज्ल्ट आया, तो इसका सबसे बड़ा कारण रोजगार ही होगा। दोनों जगह दस साल से इनकी सरकार थी। मगर एक नौकरी नहीं दी। न केन्द्र में न राज्य में। और जो नौकरियां थीं सेना में उसे भी खत्म करके अग्निवीर की बिना पेंशन और सिर्फ चार साल की बना दी। बाकी सुरक्षा बलों में भी भर्ती बंद है। हरियाणा के साथ जम्मू का युवा भी सेना और सुरक्षा बलों में सबसे ज्यादा जाता था मगर अब उसका वह रास्ता भी बंद कर दिया।

लेकिन यहां झारखंड में वे नौकरियों की घोषणा नहीं बल्कि प्रण कर रहे हैं। यह बड़े-बड़े शब्द भोले, सरल लोगों को कितनी पीड़ा पहुंचाते हैं इसका बीजेपी को अंदाजा नहीं है।

हम टिहरी उत्तराखंड का वह दिन कभी नहीं भूल सकते जब टिहरी डेम में पानी छोड़ा जा रहा था और टिहरी नगर डूब रहा था। तब औरतें रो-रोकर कह रही थीं कि- भाजपा के नेताओं ने हमारे हाथ में गंगाजल देकर यह संकल्प करवाया था कि टिहरी नहीं छोड़ेंगे। अब क्या होगा हमारे संकल्प का? पुलिस हमें यहां से ले जा रही है। केन्द्र में वाजपेयी की सरकार थी। टिहरी डेम केन्द्र सरकार का ही प्रोजेक्ट था। हमने दिल्ली वापस लौटकर भाजपा के नेताओं से पूछा कि बाकी सब ठीक है। मगर महिलाओं से ऐसा संकल्प क्यों करवाते हैं जिसे पूरा न कर सकें। और वे जीवन भर अपराधबोध से ग्रस्त रहें। कोई जवाब नहीं था। बस फर्क इतना था कि उल्टे हमसे कोई सवाल नहीं पूछने लगा था। आज तो आप किसी से यह कह दो वह उल्टा आप पर ही आरोप लगाने लगता है।

मगर खैर लोकसभा में साधारण बहुमत भी न मिलने और अब हरियाणा. जम्मू-कश्मीर में हार की आहट से भाजपा के लोगों और उसकी गोदी मीडिया की उग्रता में कमी आई है और जनता के बीच डर का माहौल कम हुआ है।

चुनाव नतीजों का अगर ऐसा ही ट्रेंड चलता रहा तो जल्दी आप देखेंगे कि जैसे वादे झारखंड में भाजपा ने किए हैं उन पर फिर जनता ही सीधे सवाल पूछने लगेगी कि भाईसाहब क्या आपने बिल्कुल ही बेवकूफ समझ लिया है? जैसे एक और प्रण है गोगो दीदी योजना। गोगो संथाली में मां को कहा जाता है। इसके फार्म भरवाना भी भाजपा ने शुरू कर दिए। इसमें महिलाओं को २१०० रुपए महीना देने का प्रण है। जबकि हेमंत सोरेन सरकार पहले से मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को एक हजार रुपए महीना दे रही है। केवल नाम बदल कर और राशि बढ़ाकर नई योजना बताई जा रही है।

झारखंड मुक्ति मोर्चे (जेएमएम) के नेता इस पंचप्रण को प्रपंच कह रहे हैं। उनके नेता सुप्रिय भट्टाचार्य ने कहा कि महिला सशक्तिकरण बात कर रहे हैं। संसद विधानसभाओं में ** प्रतिशत महिला आरक्षण का प्रस्ताव पास कर दिया। मगर अभी हमारे यहां चुनाव है लागू कर दो। मगर नहीं वह जब जनगणना होगी जिसका कोई पता नहीं है उसके बाद सोचेंगे।

जेएमएम बीजेपी के महिला पिच पर आने से बहुत खुश है। यहां वह खुद को बहुत मजबूत समझ रही है। और उसका कारण है कल्पना सोरेन।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जेल जाना जेएमएम के लिए एक बड़ा मुश्किल समय था। चंपई सोरेन पर विश्वास करके जेएमएम ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया मगर उन्होंने ऐसा विश्वासघात किया कि झारखंड में ही नहीं देश में भी किसी को विश्वास नहीं हुआ। लेकिन इस बुरे समय ने ही जेएमएम को एक ऐसा सितारा दे दिया जिसका खुद उसे अंदाजा नहीं था।

एक सामान्य घरेलू महिला कल्पना सोरेन का कायाकल्प हो गया। हालांकि भारतीय नारियों की यह पुरानी परंपरा है कि पति पर संकट आने पर वे अचानक रणचंडी बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही कल्पना सोरेन के साथ हुआ। वे विधानसभा का उपचुनाव लड़ीं और विधायक बन गईं। हेमंत सोरेन जब जेल में थे तो वे इंडिया गठबंधन की बैठकों में शामिल हुईं। सोनिया गांधी ने खुद आगे बढ़कर उनका हाथ पकड़कर अपनी बगल में बिठाया। बहुत कम समय में वे नेशनल मीडिया में छा गईं।

और अब जेएमएम उनका सर्वोत्तम उपयोग कर रहा है। उसने पूरे झारखंड में मंईयां सम्मान यात्रा शुरू कर दी। महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए। इसमें जेएमएम की दूसरी महिला नेता तो जा ही रहीं हैं। मगर सबसे ज्यादा क्रेज कल्पना सोरेन का है। भाजपा समझ गई है कि इस बार उसे एक नई नेता जो बहुत तेजी से लोकप्रिय हुई हैं, खासतौर से महिलाओं में, उनका मुकाबला करना पड़ेगा। इसलिए मोदी जी चुनाव की घोषणा से पहले ही दो दौरे कर चुके हैं। जमशेदपुर और हजारीबाग। मगर हजारीबाग जो बीजेपी का गढ़ माना जाता है वहां भी भीड़ नहीं थी।

दूसरी तरफ कल्पना सोरेन की यात्रा में लोग खासतौर से महिलाएं भारी संख्या में शामिल हो रही हैं। जिन नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में महिलाएं ५- ६ बजे शाम के बाद घर से नहीं निकलतीं वहां रात साढ़े आठ बजे कल्पना सोरेन निकलती हैं तो महिलाएं सड़क पर खड़ी मिलती हैं। और मजेदार बात यह है कि केवल जेएमएम के झंडे के साथ नहीं कांग्रेस के झंडे वाली महिलाएं भी वहां होती हैं। यह वह इलाका है सारंडा जंगल के पार का जहां बाजार भी शाम को सूरज ढलने से पहले ही बंद हो जाते हैं।

परिस्थितियोंवश एक महिला नेता का उदय हो जाना जेएमएम के लिए वरदान बन गया। अभी जिन दो राज्यों जम्मू-कश्मीर, हरियाणा में चुनाव हो चुके और जिन दो राज्यों में महाराष्ट्र, झारखंड में होना हैं, वहां केवल झारखंड ही ऐसा है जहां इंडिया गठबंधन को अपनी सरकार बचाना है। बाकी तीन राज्यों में उसे भाजपा एनडीए से छीनना है। इसलिए सरकार बचाने की लड़ाई बाकी तीन राज्यों के मुकाबले मुश्किल है। मगर कल्पना सोरेन का जो एक नया फैक्टर आया है उसका तोड़ ढूंढना भाजपा के लिए आसान नहीं है। महिला नेता उसके पास झारखंड में तो क्या अब देश में भी नहीं है।

थराव, मारपीट: बरेली में दो गुटों में संग्राम, पहुंची पुलिस तो छोड़ दिया कुत्ता, दरोगा सहित 3 जख्मी

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में अजीब घटनाक्रम हुआ है। यहां दो पक्ष एक प्लॉट के विवाद में झगड़ रहे थे। सूचना मिलने पर पहुंची मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास करने लगी। इतने में दोनों पक्ष अपना झगड़ा भूल पुलिस पर ही टूट पड़े। खूब मारपीट और गाली गलौज की। यही नहीं, पुलिस के ऊपर कुत्ता भी छोड़ दिया। इस घटना में कुत्ते के काटने से एक महिला सब इंस्पेक्टर और दो कांस्टेबल बुरी तरह से जख्मी हो गए हैं। बाद में मौके पर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस बल की मदद से पांच लोगों को अरेस्ट किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों में से एक शाहीन बी इसी मामले में शिकायत लेकर एसएसपी ऑफिस भी पहुंची थी। वहां इसने सुसाइड का प्रयास किया था। हालांकि उस समय समझा बुझाकर मामला शांत करा दिया गया, लेकिन अब एक बार फिर इस मामले में दोनों पक्षों के बीच टकराव हो गया। मामला बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव हल्दी खुर्द का है। यहां एक प्लाट के स्वामित्व को लेकर विवाद था। एक पक्ष के लोग इस प्लॉट की सफाई करने आ गए, वहीं दूसरे पक्ष के लोगों ने जब उन्हें ऐसा करने से रोका तो दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी।

पुलिस पर छोड़ा पालतू कुत्ता

इतने में पास पड़ोस के लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से बात करने की कोशिश की तो दोनों पक्षों ने पुलिस पर हमला कर दिया। यही नहीं, एक पक्ष के लोगों ने अपना पालतू कुत्ता पुलिस के ऊपर छोड़ दिया। इस दौरान कुत्ते के काटने से एक महिला उप निरीक्षक और दो महिला सिपाही घायल हो गए। इसके बाद मुख्यालय से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर दोनों पक्षों के पांच लोगों को अरेस्ट किया गया है। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

5 आरोपियों को अरेस्ट कर जेल भेजा

पुलिस के मुताबिक इस मामले में उप निरीक्षक की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी साजिद, हामिद हुसैन, अरशद, शाहीन बी, आंचल सोनी, साजिद, युनुस और इकबाल के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मौके से साजिद समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मीरगंज थाना प्रभारी सिद्धार्थ सिंह के मुताबिक दोनों पक्षों ने पुलिस पर जानलेवा हमला किया है। इस हमले में महिला दरोगा और दो महिला सिपाही घायल हुए हैं। अभी पांच आरोपियों की अरेस्टिंग हुई है। बाकियों की तलाश कराई जा रही है।

पहाड़ी पर घुमने आने वाले लोगों को ब्लैक–मेल कर धन उगाही करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 4 गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जिले के चुनार कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पहाड़ी पर लोगों को डरा-धमकाकर व ब्लैक मेल कर धन उगाही करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने बाइक भी बरामद किया है। 5 अक्टूबर 2024 को भोनू अली पुत्र स्वर्गीय मुनीर निवासी रमसीपुर थाना रोहनिया, वाराणसी चुनार क्षेत्रांतर्गत दुर्गाजी पहाड़ी पर घूमने आएं हुए थे जहां घुमते समय उन लोगों से अवैध पैसा मागंने व जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में चुनार कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दी गयी थी। तहरीर के आधार पर थाना चुनार पर 352 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। मामले में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सम्बन्धित अपराधों में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना चुनार पुलिस को सफलता हाथ लगी। थाना चुनार पुलिस मय टीम द्वारा सोमवार 7 अक्टूबर 2024 को जरिए मुखबिर सूचना आधार पर थाना चुनार क्षेत्रांगत दुर्गा जी पहाड़ी से कमलेश पाल पुत्र रमाशंकर पाल निवासी कूबा खुर्द (तरंगा) थाना चुनार, निशान्त उर्फ गोलू जायसवाल पुत्र मुन्ना जायसवाल निवासी टहुआं थाना पडरी, लवकुश यादव पुत्र विराहू यादव निवासी सराय टेकौर, दिनेश शर्मा उर्फ नाटे पुत्र कन्हैया शर्मा निवासी टेकौर, को गिरफ्तार किया गया। मौके से 2 अदद मोटर साइकिल व 2 अदद मोबाइल फोन बरामद किया गया है। जिनसे पूछताछ की गयी तो उनके द्वारा बताया कि वह लोग दुर्गाजी पहाड़ी पर घुमने आने वाले लोगों की छुपकर फोटो, वीडियो बनाकर ब्लैक-मेल कर पैसा वसूलते है तथा पैसा न मिलने पर उनके मोबाइल आदि छीन लेते है।

देवरिया में दो बदमाशों का एनकाउंटर, छात्राओं के साथ की थी छेड़खानी

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया पुलिस ने एनकाउंटर में दो मनचलों को दबोच लिया है। इन मनचलों ने तीन दिन पहले स्कूल से घर लौट रही छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की थी। वहीं जब पुलिस ने इनकी पहचान कर पकड़ने की कोशिश की तो इन्होंने पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी। ऐसे में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इन बदमाशों के पैर में गोली मारकर दबोच लिया है। फिलहाल इन बदमाशों को इलाज के लिए देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां से उपचार के बाद इन्हें अदालत पेश किया जाएगा।

पुलिस ने इन मनचलों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इन मनचलों का एनकाउंटर देवरिया के तरकुलवां क्षेत्र के परासिया मार्ग पर हुआ। इनकी पहचान धीरज पटेल और रितिक पटेल के रूप में हुई है। यह दोनों तरकुलवां क्षेत्र के ही रहने हैं। देवरिया के एडिशनल एसपी दीपेंद्र चौधरी के मुताबिक 4 अक्टूबर को दो छात्राएं स्कूल में पढ़ाई कर अपने घर लौट रहीं थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर चार मनचले आए और इन लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करने लगे।

आरोपियों की इस हरकत की वजह से एक बच्ची तो खेत में गिर गई, जबकि दूसरी शोर मचाते हुए थोड़ी दूरी पर मौजूद एक घर की ओर भागी। इस बच्ची को बदहवास हाल में भागते देख वहां मौजूद लोगों ने उसे रोका और फिर बदमाशों का पीछा किया। हालांकि उस समय यह बदमाश मौके से फरार हो गए थे। संयोग से घटना स्थल के पास ही एक सीसीटीवी कैमरा लगा था और यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। इसके बाद सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

परासिया मार्ग पर हुआ एनकाउंटर

पुलिस के मुताबिक, रविवार की शाम को सूचना मिली कि आरोपियों में से दो लोग परासिया मार्ग पर हैं। इस सूचना के बाद पुलिस ने इन मनचलों की घेराबंदी करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की गिरफ्त से भागने के लिए इन बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। ऐसे में पुलिस को भी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों के बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली मारकर दोनों बदमाशों को दबोच लिया है। एडिशनल एसपी दीपेंद्र चौधरी के मुताबिक दोनों को देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जहां से छुट्टी मिलने के बाद इन्हें अदालत में पेश कर जेल भेज दिया जाएगा।

सीमेंट ही नहीं विश्वास और भरोसा भी प्रदान करना हैं ध्येय : शैलेन्द्र अग्रहरि

मीरजापुर। नगर के विंध्य ट्रेडिंग कंपनी के प्रधान कार्यालय में व्यापारियों की हुई बैठक में सीमेंट की उपयोगिता पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नगर के युवा समाजसेवी, वैश्य नेता शैलेन्द्र कुमार अग्रहरि उपस्थित रहे। जिन्होंने अपने संबोधन में आज के कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि जहां मिर्ज़ापुर-सोनभद्र में पूरे जोशो खरोश के साथ सीमेंट इंडस्ट्री के धाकड़ ब्रांड माइसेम सीमेंट की रिटेल व्यापारियों के बीच इंट्री हुई है, वहीं इसकी उपयोगिता और गुणवत्ता भी देखने को मिल रहीं हैं। कहा यह देश का बेहद विश्वासनीय ब्रांड है। मैं भी एक दशक से भी ज्यादा समय से इस ब्रांड को बखूबी जानता हूं और परखा भी है। जिसके अनुभवों को कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों के साथ साझा करते हुए उन्होंने लोगों को इसके क्वालिटी के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित व्यापारियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा सीमेंट उद्योग के बारे में जानकारी दी गई।

एक गोत्र में कैसे होगी शादी ? घरवालों ने गर्लफ्रेंड को मारा, कोर्ट में बॉयफ्रेंड ने लगाई गुहार

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में छह महीने एक लड़की की मौत का मामला एक बार फिर से गर्म हो गया है. लड़की के प्रेमी ने उसके भाई और पिता पर हत्या का आरोप लगाते हुए कोर्ट में इस्थगासा दाखिल किया है. आरोप लगाया है कि पहले उसकी प्रेमिका को जहर दिया गया और फिर गला घोंट कर उसकी हत्या की गई. कहा कि उसकी प्रेमिका के पिता पुलिस में हैं, इसलिए उन्होंने ना केवल जल्दबाजी में बिना पोस्टमार्टम कराए शव का अंतिम संस्कार करा दिया, बल्कि अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर मामले की जांच भी नहीं होने दी.

इस मामले में कोर्ट ने आगरा के ट्रांस यमुना थाना प्रभारी को मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच करने को कहा है. पीड़ित प्रेमी ने बताया कि पुलिस के खूब चक्कर काटने के बाद आखिरकार उसने कोर्ट की शरण ली. इसके बाद आगरा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अचल प्रताप सिंह ने अर्जी पर सुनवाई करते हुए मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं. बेलनगंज आगरा के रहने युवक रामराजा ने अपने इस्थगासा में बताया कि उसकी प्रेमिका पीएचडी की पढ़ाई कर रही थी. दोनों एक ही जाति के थे और जल्द ही शादी करने वाले थे.

11 अप्रैल 2024 की है घटना

इसकी जानकारी होने पर लड़की के परिवार वाले अवरोध पैदा करने लगे. जब उसकी प्रेमिका ने परिजनों के खिलाफ जाने का फैसला किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करते हुए मोबाइल व लैपटॉप छीन लिया. यही नहीं, जबरन उसकी शादी किसी अन्य से तय कर दी. 11 अप्रैल 2024 को उसकी गोद भराई की तारीख भी फाइनल कर दी गई. आरोप है कि उसी दिन अचानक उसकी प्रेमिका की तबीयत खराब हो गई और उसे ट्रांस यमुना स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

आपत्ति करने पर हुई थी मारपीट

रामराजा के मुताबिक उसकी प्रेमिका ने अस्पताल जाने से पहले अपनी खिड़की से एक कागज बाहर गिरा दिया था. इसपर लिखा था कि उसकी जबरदस्ती शादी कराई जा रही है. पीड़ित ने बताया कि जब वह प्रेमिका की मौत की खबर पर उसके घर पहुंचे, उस समय आरोपी जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार करने की कोशिश कर रहे थे. उसने आपत्ति की तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट भी की. इस संबंध में उसने पुलिस में शिकायत भी दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई.

सड़क पर दौड़ती कार बनी आग का गोला, 1 KM पीछा करके पुलिस ने बचाई जान

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक चलती कार में आग लग गई। हालांकि, ड्राइवर इस बात से अंजान कार को सड़क पर चलाता रहा। इस बीच, पुलिस की जलती कार पर नजर पड़ गई। फिर पुलिस की टीम ने कार का एक किमी तक पीछा किया और तत्काल कार में बैठे युवक को बाहर निकाला। इस तरह से कार सवार की जान बची।

यह घटना दनकौर थाना क्षेत्र के बिलासपुर कस्बे के पास की है। एक अधिकारी ने बताया कि दनकौर पुलिस रविवार रात खेरली नहर पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक सफेद ब्रेजा कार को जाते हुए देखा, जिसमें नीचे की तरफ आग लगी हुई थी। कार चालक को आग लगने की बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। इसलिए वह आराम से अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। पुलिस ने

गाड़ी में आग लगी देख उसका पीछा करना शुरू किया और उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिस को पीछा आते देखकर कार चालक डर गया।

1 किलोमीटर तक किया पीछा

कार चालक ने पुलिस पीछे आते देख अपनी कार नहीं रोकी, जिसके बाद पुलिस ने करीब 1 किलोमीटर तक गाड़ी का पीछा किया और बाद में गाड़ी को ओवरटेक करके रोक लिया। गाडी रोकने के बाद पुलिस ने जैसे-तैसे करके चालक को गाड़ी से बाहर निकाल कर उसकी जान बचाई। इसके बाद पुलिस ने गाड़ी में लगी आग को पास के पेट्रोल पंप से अग्निशामक यंत्र लाकर बुझाया। आग लगने से गाड़ी आगे से बुरी तरह से जल गई थी, लेकिन गनीमत यह रही कि कार चालक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

कार चालक ने पुलिस का धन्यवाद किया

गाड़ी में सवार युवक ज्ञानेंद्र नागर ने बताया कि वह कि सिकंदराबाद से अपने गांव धनोरी कला जा रहा था, लेकिन उसको पता नहीं चला कि कब आग लग गई। घटना के बाद युवक ने पुलिस के सराहनीय काम के लिए उनका धन्यवाद और आभार प्रकट किया है। बताया जा रहा है कि जिस समय गाड़ी में आग लगी उस समय कार में दो लोग मौजूद थे।

आध्यात्मिक सम्राट कचहरी बाबा आश्रम में 40 वां निर्वाण दिवस

मीरजापुर। धर्मक्षेत्र के प्रख्यात सन्त ब्रह्मलीन चक्रवर्ती सम्राट कचहरी बाबा आश्रम में सोमवार, 7 अक्टूबर को 40 वें निर्वाण-दिवस पर आयोजित वार्षिक श्रृंगार तथा भण्डारा का आयोजन किया गया, जिसमें संतों का सम्मान किया गया।जिले के कोने-कोने से आए सन्तों एवं महंतों की उपस्थिति रही। सम्मेलन में कचहरी बाबा के त्याग, साधना एवं सिद्धि को अनुकरणीय बताया गया तथा उनके आदर्शों को साकार करने पर बल दिया गया। आश्रम में आए सभी सन्तों का सम्मान कचहरी बाबा आश्रम के महंत श्रीकांत महाराज, कोतवाल तेजबलीदास एवं दिव्यानन्द के साथ आश्रम कमेटी के संरक्षक सुरेश त्रिपाठी, एडवोकेट, अध्यक्ष विजय सिंह, एडवोकेट तथा सचिव आशीष दुबे ने किया। प्रमुख महंतों में हाई माई आश्रम के महंत द्वारिका बाबा, लोहदी के वाहे गुरु महाराज, कबीर मठ के राधे महाराज, पंचू महाराज, विजय नारायण दास आदि थे।

'मुस्लिमों से मेहंदी न लगवाएं...', मुरादाबाद में विश्व हिंदू परिषद की नेता ने दिलाई महिलाओं को ऐसी शपथ

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के सिविल लाइंस इलाके में पंचायत भवन सभागार में विश्व हिंदू परिषद की मार्कशक्ति- दुर्गा वाहिनी की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद की महिला नेता ने वहां मौजूद सभी महिलाओं को शपथ दिलाई कि वो मुस्लिम लोगों से मेहंदी न लगवाएं। कार्यक्रम में ज्यादा संख्या में युवती, छात्राएं और महिलाएं उपस्थित रही हैं।

मुरादाबाद में कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आगरा से आई विश्व हिंदू परिषद की महिला नेता रीता शर्मा ने हिंदू समुदाय की महिलाओं को शपथ दिलाई है। ताकि, वो किसी भी त्योहार पर किसी अन्य समुदाय के लोगों से मेहंदी नहीं लगवाएं और ना ही उनके हाथों से कोई ज्वेलरी पहनी जाएगी। शपथ के दौरान वहां ज्यादा संख्या में महिलाएं उपस्थित रही है।

सभा में मौजूद महिलाओं को

शपथ दिलाने के बाद उन्हें इकट्ठा करके रैली भी निकाली गई, जिसमें उद्देश्य बताया गया कि आओ सभी को जागरूक करें। इस रैली को शहर के पंचायत भवन कर से शुरू होकर जिले के अलग-अलग स्थानों से होते हुए पार्कर कॉलेज पर पूरा किया गया।

महिलाओं को बनाना है आत्मनिर्भर

विश्व हिंदू परिषद की महिला नेता रीता शर्मा से जब मंच से दिलाई गई शपथ के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वो हिंदू महिलाओं को स्वावलंबी बनाएंगी। इसके लिए सभी महिलाओं को प्रशिक्षण शिविर लगाकर मेहंदी लागाना सिखाया जाएगा, ताकि वो करवा चौथ हो या हरियाली तीज, सभी मौकों पर खुद ही मेहंदी लगाएं। रीता शर्मा मुरादाबाद जिले के सिविल लाइंस इलाके के पंचायत भवन सभागार में विश्व हिंदू परिषद की दुर्गा अष्टमी के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची थीं, जहां पर रीता शर्मा ने सभी को शपथ दिलाई थी।

रीता शर्मा ने कार्यक्रम में मंच पर से कहा कि हिंदू समुदाय की महिलाओं को अगर मेहंदी लगवानी है तो वो मुस्लिम महिलाओं से मेहंदी न लगवाएं। विश्व हिंदू परिषद की नेता ने कहा कि हमारे समुदाय की छोटी-छोटी बच्चियां छोटे-छोटे कपड़े में इन लोगों के पास जाकर मेहंदी लगवाती हैं, और उस दौरान यह लोग उनके हाथ पकड़ते हैं। इसके अलावा आगे के लिए वो मोबाइल नंबर का लेनदेन करती हैं और इसी से 'लव जिहाद' को बढ़ावा मिल रहा है।

प्लेन से सफर करते, महंगे होटलों में ठहरते... कानपुर से पकड़े गए 7 ठग, गजब है इनकी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में लगातार साइबर ठग लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। कभी ठग कॉल पर अधिकारी बन कर लोगों को डरा धमका कर पैसे वसूल रहा होता है, तो कभी ऐप से आवाज की कॉपी करके अपना बन कर लोगों को ठग रहा है। कई बार नौकरी के नाम पर बेरोजगार लोगों को ठग रहे हैं। एक भी दिन ऐसा दिन हो रहा है कि साइबर ठग इस दिन कानपुर में दो से तीन लोगों को यह अपना शिकार नहीं बनाते रहे हों। तरह-तरह के हथकंडे अपना कर लोगों की जमापूंजी उड़ाने वाले इन साइबर ठगों की शिकायतों से कानपुर का साइबर सेल भरा पड़ा है।

इस बार कानपुर की कमिश्नरेट पुलिस के हाथ साइबर ठगों एक बड़ा गिरोह हाथ लगा है। उनकी पुलिस ने गिरोह के लगभग 7 लोगों को गिरफ्तार करके यह खुलासा किया है कि यह साइबर ठग एक ऐप के जरिए आवाज बदलकर साइबर अरेस्ट करके फेक कॉल पर लोगों को धमका करके लाखों रुपए वसूल कर चुके हैं। ये बेहद पढ़े लिखे हैं और इनका लग्जरी लाइफ़स्टाइल ऐसा था कि कोई इन पर हाथ डालने से डरता था।

लग्जरी जीवन जी रहे थे ठग

लग्जरी कारों से आना-जाना होटल में रुकना लंबी दूरी का सफर, हवाई यात्रा करना के साथ ही साथ ब्रांडेड कपड़े, शूज पहन कर घूमना। फिलहाल, गिरफ्तारी के बाद आरोपियों के पास से दो लग्जरी कर कैश वह कई बैंकों के एटीएम लैपटॉप बरामद हुए हैं। अंतर राज्य साइबर फ्रॉड करने वाले इस गिरोह की पनकी पुलिस को आधा दर्जन शिकायतें मिली थीं। इसके बाद इन पर नजर रखकर काफी दिनों बाद गिरफ्तार किया गया।

नकदी और एटीएम कार्ड हुए बरामद

डीसीपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के पास 22 हजार रुपए नगद मिले हैं। अभियुक्तों की जानकारी से मिले 5 लाख रुपए को फ्रीज कर गया है। इनके पास भारी मात्रा में 47 एटीएम कार्ड भी मिले हैं। साथ ही उनके पास से 21 चेक बुक पासबुक मिली है। इसके अलावा इन सभी लोगों पर कानपुर के बिठूर पनकी कल्याणपुर थाना में साइबर फ्रॉड करके पैसा हड़पने के मुकदमे दर्ज हैं।

आरोपियों में किसी न 12वीं पास है, तो कोई बीबीए, बीएससी, बीसीए और बीफार्मा किया हुआ है। गैंग लोगों को डरा धमकाकर तो कभी आवाज बदलकर, कभी किसी से नौकरी के नाम पर ठगी किया करते थे। गोरोहबका को पकड़ने वाली टीम को कमिश्नर की ओर से 25000 का इनाम भी दिया गया है।

प्यार का नाटक, रेप और धर्म परिवर्तन के लिए टॉर्चर, छात्रा ने किया सुसाइड, मां ने बताया बेटी का दर्द

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में ब्लैकमेलिंग से परेशान एक छात्रा ने सुसाइड कर लिया है। छात्रा की मां का आरोप है कि समुदाय विशेष के एक युवक ने प्यार का झांसा देकर छात्रा के साथ संबंध बनाया और अश्लील वीडियो बनाकर उसके ऊपर धर्म परिवर्तन व निकाह के लिए मजबूर कर रहा था। आरोपी युवक की हरकतों से परेशान होकर उनकी बेटी ने रविवार की रात अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी है। पीड़ित मां ने पुलिस आरोपी के खिलाफ लव जिहाद का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

पुलिस ने इस मामले में केस तो दर्ज किया है, हालांकि अभी तक लव जिहाद के आरोप पर कोई टिप्पणी नहीं की है। मामला संभल के गुन्नौर थाना क्षेत्र में मुहल्ला मासूम अली का है। पुलिस के मुताबिक मृत छात्रा

पॉलिटेक्निक की पढ़ाई कर रही थी। छात्रा की मां ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया है कि उनके मुहल्ले में ही रहने वाला समुदाय विशेष का युवक काफी समय से उनकी बेटी को परेशान कर रहा था। आरोपी की हरकतों से परेशान होकर उन्होंने अपनी बेटी का एडमिशन बदायूं में करा दिया, लेकिन आरोपी वहां भी पहुंच जाता था। इसी दौरान आरोपी ने उनकी बेटी के साथ गलत हरकत की और अश्लील वीडियो बना लिया।

बुलडोजर चलाने की मांग

अब यही वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर उनकी बेटी पर धर्म परिवर्तन करने और इस्लाम कबूल करने के बाद निकाह करने के लिए दबाव बना रहा था। आरोपी की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर उनकी बेटी से अब सुसाइड कर लिया है। पीड़ित मां ने पुलिस को दिए शिकायत में आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने और अपने परिवार के लिए सुरक्षा की मांग की है। बता दें कि रविवार की सुबह छात्रा ने अपने कमरे में फंदे पर लटक कर जान दे दी थी।

जांच में जुटी पुलिस

उसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस के मुताबिक मृत छात्रा की मां की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। संभल एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई के मुताबिक आरोपी की पहचान मृत छात्रा के मुहल्ले में रहने वाले युवक काशिफ के रूप में हुई है। पुलिस तथ्यों के आधार पर मामले की पड़ताल कर रही है।

नवरात्रि में खाएं ये वेजिटेरियन चीजें, शरीर में नहीं होगी प्रोटीन की कमी

प्रोटीन के अच्छे सोर्स की बात की जाए तो लोगों को लगता है कि नॉनवेज खाना ज्यादा बेहतर रहता है, लेकिन कई ऐसी वेजिटेरियन चीजें हैं जो प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स है। नवरात्रि में नॉनवेज नहीं खा पा रहे हैं तो जान लें प्रोटीन के वेजिटेरियन सोर्स क्या हैं।

नवरात्रि के दौरान सात्विक खाना खाया जाता है और लोग तामसिक चीजों से परहेज करते हैं, इसलिए लहसुन प्याज भी नहीं खाया जाता है। ऐसे में कुछ पोषक तत्व के बारे में लोगों का मानना होता है कि नॉनवेज खाने से ही इनकी पूर्ति की जा सकती है। इन्हीं न्यूट्रिएंट्स में से एक है प्रोटीन। अगर प्रोटीन की बात करें तो नॉन वेजिटेरियन चीजों को ज्यादा अच्छा सोर्स माना जाता है। अगर आप मसल्स गेन कर रहे हैं या फिर वेट लॉस जर्नी पर हैं और प्रोटीन रिच फूड्स को डाइट में शामिल करना है, लेकिन नवरात्रि के नौ दिनों तक नॉनवेज नहीं खाएंगे तो शरीर में प्रोटीन की पूर्ति के लिए कुछ वेजिटेरियन चीजें अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

प्रोटीन की जरूरत की बात करें तो यह मांसपेशियों की टूट-फूट को रिपेयर करने, मसल्स को गेन करने के अलावा, बालों, नाखूनों हड्डियों के लिए भी जरूरी होता है। इसके अलावा प्रोटीन बॉडी को एनर्जी देने के साथ ही शरीर में एंटीबॉडी का निर्माण करात है और पीएच को संतुलित करने में भी हेल्प करता है। तो चलिए जान लेते हैं कि नवरात्रि के दौरान आप किन वेजिटेरियन चीजों से प्रोटीन की कमी को पूरा कर सकते हैं।

सोया है प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स

शरीर में प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए सोयाबीन चंक्स की सब्जी बनाकर खा सकते हैं। इसके अलावा सोयाबीन की फली और दाल भी प्रोटीन से भरपूर होती है। डाइट में सोया मिल्क को शामिल किया जा सकता है और टोफू को आप सलाद की तरह ले सकते हैं।

ये डेयरी प्रोडक्ट भी हैं प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स

प्रोटीन के अच्छे सोर्स की बात करें तो डेयरी प्रोडक्ट्स को अपनी डाइट में शामिल करें। आप बनाकर का सलाद बनाकर उसका सेवन कर सकते हैं। कच्चा पनीर भी खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसके अलावा डेली रूटीन में लो फैट मिल्क ले सकते हैं और लंच में एक कटोरी दही प्रोटीन के लिए बढ़िया ऑप्शन है।

सुबह की शुरुआत प्रोटीन रिच रहेगी

प्रोटीन की पूर्ति करने के लिए आप रोजाना सुबह भीगे हुए कुछ बादाम, ब्राजील नट, मूंगफली और ब्राजील नट्स को खा सकते हैं। ये तीनों ही नट्स न सिर्फ प्रोटीन का बढ़िया सोर्स हैं, बल्कि कैल्शियम से लेकर इसमें बी6, आयरन, विटामिन सी, मैग्नीशियम आदि पोषक तत्व भी पाए जाते हैं।

दालें हैं प्रोटीन का बढ़िया सोर्स

प्रोटीन के वेजिटेरियन सोर्स की बात करें तो दालें और फलियां डाइट में शामिल करनी चाहिए। मूंग दाल, काला चना आदि के स्प्राउट्स बनाकर खाए जा सकते हैं। इसके अलावा डिनर या लंच में अरहर, मसूर, कुलथी दाल, आदि खा सकते हैं।

डायबिटीज के मरीज व्रत में किन चीजों को खाएं? एक्सपर्ट से जानिए

नवरात्रि के त्योहार चल रह हैं। कुछ लोग नवरात्रि के 9 दिनों तक उपवास रखते हैं। व्रत के दौरान ज्यादातर लोग मीठा खाना पसंद करते हैं। लेकिन डायबिटीज के लोगों को व्रत की डाइट को लेकर थोड़ी चिंता रहती है। व्रत में फल भी खाए जा सकते हैं, लेकिन कुछ फलों में नैचुरल शुगर ज्यादो होती है। इससे ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा रहता है।

न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल कहती हैं कि अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो व्रत के दौरान लंबे समय तक भूखे न रहें। इससे हेल्थ बिगड़ सकती है। थोड़े-थोड़े समय के अंतराल में आप कुछ न कुछ जरूर खाते रहें। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि डायबिटीज के मरीज व्रत के दौरान किस तरह के फूड खा सकते हैं।

कुट्टू का आटा

अगर आपको डायबिटीज की समस्या है तो व्रत में आप कुट्टू के आटे से बनीं चीजों को खासकते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये एक फलाहारी अनाज है। इसमें कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आप नवरात्रि के दौरान इसकी टिक्की या रोटी बनाकर खा सकते हैं। इसमें फाइबर की मात्रा भरपूर होती है।

सिंघाड़ा

अगर आप नवरात्रि के दिनों में उपवास रख रहे हैं तो सिंघाड़े के आटे का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके साथ आप, थोड़ा सा अखरोट भी मिक्स कर सकते हैं। यह काफी हेल्दी और एनर्जेटिक होता है। डायबिटीज में ये दोनों ही चीजें काफी फायदेमंद होती है। इससे कमजोरी महसूस नहीं होती है।

राजिगरा का आटा

शरीर में पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए आप राजगिरा के आटे से बनीं चीजों को खा सकते हैं। यह डायबिटीज के रोगियों के लिए काफी फायदेमंद है। इसमें फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है।

पर्याप्त पानी पिएं

व्रत के दौरान शरीर में हाइड्रेशन की कमी बिल्कुल न होने दें। जितना हो सके, पानी पिएं। एक्सपर्ट कहती हैं कि शरीर में पानी की कमी से लो फील होने लगता है। ऐसे में शुगर के मरीज खासतौर पर पानी को पीते रहें।

कॉफी और सोडा ड्रिंक बन सकते हैं स्ट्रोक का कारण, रिसर्च में खुलासा

कॉफी, चाय या सोडा ड्रिंक को पीने वाले इन्हें चाकर भी नजरअंदाज नहीं कर पाते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि ये हमारी सेहत के लिए जहर साबित हो सकती हैं। एक रिसर्च में सामने आया है कि इनका लगातार सेवन हमें स्ट्रोक का शिकार बना सकता है।

जब बात दिल के स्वास्थ्य की आती है तो इसका खास ध्यान रखना जरूरी है कि हम क्या खा रहे हैं और क्या पी रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि कार्बोनेटेड बेवरेज और फ्रूट जूस का सेवन हमारे शरीर में स्ट्रोक के रिस्क को बढ़ा सकता है। वहीं दूसरी स्टडी में सामने आया है कि एक इंसान अगर रोज चार कप कॉफी पीता है तो इससे भी हमें स्ट्रोक आ सकता है। ये रिसर्च चौंकाने वाली है क्योंकि चार कप कॉफी हम नॉर्मली पी जाते हैं और अगर इससे ज्यादा कॉफी पी जाए को स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इसके अलावा लोग कोल्ड ड्रिंक्स और फिजी ड्रिंक्स को पीने के भी शौकीन हैं। चलिए आपको बताते हैं कि कैसे ये सेहत के लिए खतरा साबित हो सकते हैं। साथ ही जानें आप अपने बचाव में किन तरीकों को अपना सकते हैं।

क्या कहती है रिसर्च

मैकमास्टर यूनिवर्सिटी कनाडा और यूनिवर्सिटी ऑफ गैलवे ने कॉफी या दूसरी शुगरी ड्रिंक्स पर रिसर्च की है। इसके मुताबिक बार-बार कार्बोनेटेड पेय या फलों का रस पीने से भी स्ट्रोक का खतरा 37 फीसदी तक बढ़ जाता है। वहीं दूसरे अध्ययन के मुताबिक शुगर से बने कार्बोनेटेड बेवरेज से स्ट्रोक का खतरा 22 फीसदी तक बढ़ जाता है। ये रिसर्च जनरल ऑफ स्ट्रोक और इंटरनेशनल जनरल ऑफ स्ट्रोक में छपी है। इसमें प्रोजेक्ट में 27 देशों के 27 हजार लोगों को शामिल किया गया। इसमें 13500 ऐसे लोग थे जिन्होंने स्ट्रोक का खतरा पहली बार झेला था। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इन ड्रिंक्स में ऐसा क्या है जिसकी वजह से स्ट्रोक का रिस्क इतना ज़्यादा बढ़ जाता है?

इन ड्रिंक्स से क्यों बढ़ जाता है स्ट्रोक का खतरा

बार-बार कॉफी पीने या फिजी ड्रिंक्स पीने से स्ट्रोक क्यों होता है? विशेषज्ञों के मुताबिक किसी भी व्यक्ति को स्ट्रोक तब होता है जब ब्रेन के किसी भाग में रक्त की आपूर्ति बंद हो जाती है या ब्रेन की कोशिकाएं को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में इस्केमिक स्ट्रोक हो सकता है, जो आमतौर पर ब्लड क्लॉट के कारण होता है। इसमें ब्रेन में इंटरनल ब्लीडिंग होती है।

इस रिसर्च में ये जानकारी सामने आई है कि ऐसे फिजी ड्रिंक्स या पैकेज्ड फ्रूट ड्रिंक्स में एक्स्ट्रा शुगर एवं प्रिजर्वेटिव्स होते हैं। इन्हें ज्यादा पीने से शुगर का लेवल बढ़ जाता है। इस वजह से भी स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ जाता है। महिलाओं में और ऐसे लोग जो मोटापे के शिकार हैं या किसी अन्य बीमारी से ग्रसित हैं उनमें स्ट्रोक की संभावना और ज्यादा बढ़ जाती है।

कौन से ड्रिंक आप पी सकते हैं

एक्सपर्ट्स का कहना है कि आप कॉफी या चाय जैसी चीजों को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। हालांकि इनका सेवन कम जरूर किया जा सकता है। वैसे कहा जाता है कि आप ग्रीन टी और हर्बल टी का उपयोग कर सकते हैं क्योंकि ये उतना हानिकारक नहीं है। आप दूध के अलावा दूसरे विकल्पों को भी तलाश सकते हैं। आप दूध की जगह बादाम, सोया या ओट्स से बनने वाले फोर्टिफाइड मिल्क को पी सकते हैं।

चेहरे पर मसाज करने के बाद लगाएं ये चीजें, शीशे जैसे चमकेगी स्किन

चेहरे का ख्याल रखेंगे तो पिंपल्स-एक्ने की समस्या से दूर रहेंगे। धूल-मिट्टी और सूरज की यूवी किरणों के चलते स्किन डैमेज होने का खतरा रहता है। स्किन एक्सपर्ट कहते हैं कि त्वचा पर मसाज करने से भी चमक आती है। त्वचा पर मसाज करने से स्किन में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा रहता है। लेकिन मसाज के बाद भी आपको कुछ चीजों का ध्यान रखना होगा।

स्किन पर मसाज करने के बाद आप कुछ चीजों को लगा सकते हैं। इससे त्वचा मुलायम रहेगी और ग्लो भी नजर आएगा। हालांकि, त्वचा को सिर्फ बाहरी ही नहीं, अंदरूनी पोषण की भी आवश्यकता होती है। ऐसे में पर्याप्त पानी पीने के साथ-साथ विटामिन से भरपूर डाइट भी फॉलो करें। बहरहाल, आपको उन चीजों के बारे में बताएंगे, जिसे लगाने से स्किन पर ग्लो आता है।

एलोवेरा जेल

चेहरे पर मसाज के बाद एलोवेरा जेल लगाएं, इससे स्किन को ठंडक मिलती है। ये त्वचा को हाइड्रेट रखता है। एलोवेरा मेंविटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो आपकी स्किन के सेल्स की रिपेयर करते हैं। इसे लगाने से चेहरे की सूजन भी कम होगी।

हयालुरोनिक एसिड

हयालुरोनिक एसिड त्वचा अंदर से मॉइस्चराइज करने का काम करता है। इससे स्किन मुलायम और नमी वाली बनती है। चेहरे पर मसाज करने के बाद इस सीरम को त्वचा पर लगाएं। इससे भी नैचुरल ग्लो मिलता है। ये स्किन को पिंपल्स से भी बचाएगा।

विटामिन सी

विटामिन सी भी त्वचा के लिए बेहद जरूरी है। यह स्किन में कोलेजन बूस्ट करने का काम करता है। विटामिन सी का सीरम लगाने से चेहरे पर निखार आता है। इस सीरम को लगाने से दाग-धब्बे हल्के होते हैं। इसमें एंटी-एजिंग प्रोपर्टी होती हैं।

गुलाब जल

स्किन को मसाज देने के बाद आप गुलाब जल लगा सकती हैं। इससे त्वचा को ताजगी मिलती है। गुलाब जल स्किन को हाइड्रेट करता है। यह त्वचा के पीएच लेवल को सुधारता है। इससे त्वचा में चमक मिलती है। गुलाब जल लगाने से त्वचा में मौजूद सारी धूल-मिट्टी भी निकल जाती है।

घटेगी या बढ़ेगी आपके लोन की ईएमआई? 2 दिन बाद हो जाएगा फैसला

भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी की तीन दिन की बैठक सोमवार यानी आज 7 अक्टूबर से शुरू होगी और 9 अक्टूबर को इसके फैसले आएंगे।

अगर आपके नाम पर भी कोई लोन चल रहा है या आप भी लोन ईएमआई कम होने का इंतजार कर रहे हैं तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है। दरअसल, आपकी लोन की घटेगी या बढ़ेगी इस बात फैसला 2 दिन में आने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी की तीन दिन की बैठक सोमवार यानी आज 7 अक्टूबर से शुरू होगी और 9 अक्टूबर को इसके फैसले आएंगे।

2 दिन बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास रेपो रेट पर फैसले की जानकारी देंगे। ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या अमेरिका के नक्शेकदम पर चल कर RBI भी रेपो रेट में कटौती करेगा ?

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आरबीआई की MPC बैठक में इस बार भी प्रमुख ब्याज दर रेपो में कटौती की संभावना नहीं है। यानी आपके लोन की ईएमआई न बढ़ेगी और न ही घटेगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि खुदरा महंगाई RBI के लिए अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है और वेस्ट एशिया संकट के और बिगड़ने की संभावना है, जिसका असर कच्चे तेल कीमतों पर पड़ेगा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि आरबीआई अमेरिकी फेड रिजर्व को फॉलो नहीं करेगा। US फेड ने हाल ही में 0.5 फीसदी की कमी की है।

ब्याज दरों में नहीं होगा बदलाव

एक अन्य एक्सपर्ट के मुताबिक, रियल एस्टेट इंडस्ट्री और डेवलपर समुदाय के साथ घर खरीदार ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन केंद्रीय बैंक संभवतः लगातार दसवीं बार ब्याज दरों को यथावत रखेगा और इसमें कोई बदलाव नहीं करेगा।

वहीं एक अन्य एक्सपर्ट के मुताबिक, रेपो रेट या MPC के रुख में किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसका कारण यह है कि सितंबर और अक्टूबर में महंगाई 5 फीसदी से ऊपर रहेगी। इसके अलावा मुख्य महंगाई धीरे-धीरे बढ़ रही है। महंगाई के पूर्वानुमान को 0.1-0.2 फीसदी तक कम किया जा सकता है और जीडीपी अनुमान में किसी बदलाव की संभावना नहीं है।

कब हो सकती है कटौती?

इक्रा की चीफ इकोनॉमिस्ट अदिति नायर ने एक मीडिया रिपोर्ट में बताया है कि शुरुआती पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि एमपीसी के अनुमान से कम रहने और दूसरी तिमाही में खुदरा महंगाई के कम रहने के अनुमान को देखते हुए रेपो रेट दिसंबर, 2024 और फरवरी, 2025 में 0.25 फीसदी की कटौती हो सकती है। आरबीआई ने फरवरी, 2023 से रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने 6.5 फीसदी पर इसे अनचेंज्ड रखा है।

सिर्फ विश्व बैंक और आईएमएफ ही नहीं... देश के कारोबारियों को भी है इंडिया की तरक्की पर भरोसा

भारत तरक्की की पटरी पर तेजी से रफ्तार भर रहा है। इस बात की गवाही दुनिया में बढ़ती इंडिया की पैठ के साथ-साथ आईएमएफ और विश्व बैंक की रिपोर्ट में सामने आती है। आरबीआई भी अपनी रिपोर्ट में यह साफ कर चुका है कि आने वाला साल इंडिया की ग्रोथ विक्ट्री का है। अब कारोबारियों का भरोसा भी बढ़ता दिख रहा है।

कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) कारोबारी भरोसा इंडेक्स चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान दो तिमाही के उच्चस्तर 68.2 पर पहुंच गया। सीआईआई ने लोकसभा चुनावों के बाद अपने पहले सर्वेक्षण में कहा कि उद्योग जगत नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता से उत्साहित है।

सीआईआई कारोबारी परिदृश्य सर्वेक्षण का 128वां दौर सितंबर, 2024 में आयोजित किया गया था, जिसमें सभी उद्योग क्षेत्रों में अलग-अलग आकार की 200 से अधिक फर्मों को शामिल किया गया। इंडस्ट्री रेगुलेटरी ने कहा कि आम चुनावों के बाद आर्थिक गति में तेजी आई है। सीआईआई ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि अच्छी रही है, साथ ही आगामी त्योहारी सत्र के लिए वृद्धि के अच्छे संकेत मिल रहे हैं।

इस बात पर चिंता जता रहे कारोबारी

रिपोर्ट में आगाह किया गया कि वैश्विक परिदृश्य में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे उभरती आर्थिक स्थितियों पर सावधानीपूर्वक नजर रखने की जरूरत है। सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने कुछ छोटी-मोटी व्यावसायिक चिंताओं को उजागर किया है, जिनमें लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक जिंस कीमतों में उछाल और बाहरी मांग में कमी प्रमुख हैं। हालांकि इस बीच भारतीय व्यापारी तेजी से एक्सपोर्ट भी कर रहे हैं।

क्या कहती है रिपोर्ट?

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों को देखें तो एक्सपोर्ट के मामले में वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत शानदार रही थी। अप्रैल 2024 में देश का टोटल एक्सपोर्ट (वस्तु और सर्विसेस) 6.88 प्रतिशत बढ़ गया था। इस साल अप्रैल में देश से कुल 64.156 अरब डॉलर का एक्सपोर्ट हुआ है, जबकि पिछले साल अप्रैल में ये आंकड़ा महज 60.40 अरब डॉलर था। अगर सिर्फ वस्तुओं के निर्यात को देखें तो इस साल अप्रैल में ये 1.08 प्रतिशत बढ़कर 34.99 अरब डॉलर रहा है। पिछले साल इसी महीने में यह 34.62 अरब डॉलर था। इसी तरह अप्रैल में सर्विसेस का एक्सपोर्ट 29.57 अरब डॉलर रहने का अनुमान है. अप्रैल 2023 में यह 25.78 अरब डॉलर था।

मुकेश अंबानी का अब म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में होगा जलवा, ब्लू प्रिंट आया सामने

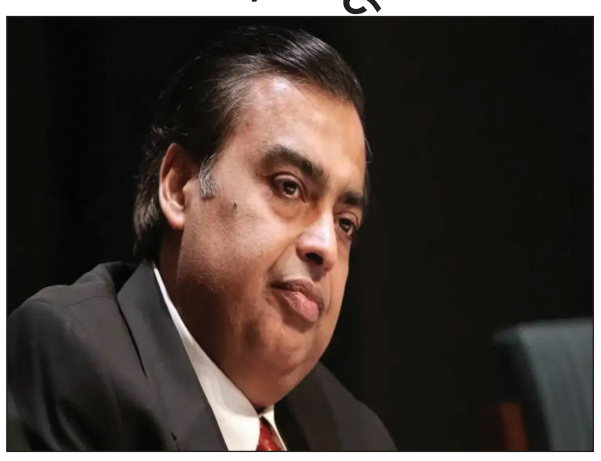

मुंबई, एजेंसी। फाइनेंस सेक्टर में अपना लोहा मनवा चुकी रिलायंस ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विस अब म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में एंट्री करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसके लिए SEBI ने जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक को म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में प्रवेश करने मंजूरी दे दी है। यह कदम म्यूचुअल फंड मार्केट में नई प्रतिस्पर्धा लाएगा, जिसमें जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, मुकेश अंबानी की नेतृत्व वाली कंपनी, और दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक का सहयोग शामिल है। इस नई साझेदारी से भारतीय म्यूचुअल फंड मार्केट में बदलाव की उम्मीद की जा रही है, जिसका कुल एसेट फिलहाल 66 लाख करोड़ रुपए के करीब है।

जियो और ब्लैकरॉक ने की है ये डील

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए बताया है कि सेबी ने दोनों कंपनियों को मंजूरी दे दी है। अंतिम मंजूरी सभी जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद दी जाएगी। जुलाई 2023 में दोनों कंपनियों ने इस जॉइंट वेंचर की घोषणा की थी, जिसमें दोनों मिलकर एसेट मैनेजमेंट बिजनेस में करीब 30 करोड़ डॉलर का निवेश करेंगे। इसमें से 15-15 करोड़ डॉलर दोनों कंपनियां मिलकर लगाएंगी। अक्टूबर 2023 में सेबी के पास लाइसेंस के लिए अप्लाई किया गया था, जिसके बाद अब जाकर उन्हें मंजूरी मिली है।

क्या होगी इनकी प्लानिंग?

ब्लैकरॉक के इंटरनेशनल हेड रैचल लॉर्ड ने इस मंजूरी को लेकर खुशी जाहिर की और कहा कि दोनों कंपनियां मिलकर भारत के निवेशकों को सस्ते और टिकाऊ निवेश विकल्प प्रदान करने की पूरी कोशिश करेंगी। उनका लक्ष्य भारत को एक बचत प्रधान देश से निवेश प्रधान देश में बदलने का है। इसके तहत वे नए और इनोवेटिव प्रोडक्ट्स लॉन्च करेंगे, जो निवेशकों के वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने में मदद करेंगे। यह जॉइंट वेंचर न सिर्फ म्यूचुअल फंड बल्कि वेल्थ मैनेजमेंट और स्टॉक ब्रोकिंग बिजनेस में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करेगा।

अगस्त में लिस्ट हुई थी कंपनी

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज अगस्त 2023 में स्टॉक मार्केट में लिस्ट हुई थी। पहले यह रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी थी, लेकिन अब यह एक फाइनेंशियल सर्विस प्रोवाइडर के रूप में काम कर रही है। कंपनी के पास एनबीएफसी (NBFC) लाइसेंस है, जो उसे व्यापक वित्तीय सर्विस प्रदान करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, इसकी एक अन्य सब्सिडियरी जियो पेमेंट्स बैंक है। हाल ही में आरबीआई ने जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को कोर इनवेस्टमेंट कंपनी (CIC) में बदलने की मंजूरी दी है।

पाकिस्तान में चीनी नागरिक फिर बने टारगेट, कराची में विस्फोट में 2 की मौत, हमले पर चीन ने कही ये बात

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट में हुए विस्फोट में 2 चीनी नागरिकों की मौत हो गई और एक घायल है। इस विस्फोट में 17 लोग घायल हुए। चीन के दूतावास ने एक बयान में कहा, पोर्ट कासिम इलेक्ट्रिक पावर कंपनी के चीनी कर्मचारियों को ले जा रहे एक काफिले पर कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास रात करीब 11 बजे हमला किया गया।

पाकिस्तान में चीन की एंबेसी और कांसुलेट जनरल ने इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। एंबेसी ने इस विस्फोट में पाकिस्तान और चीन के मारे गए पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही घायलों और मृतकों के परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की।

चीनी एंबेसी ने पाकिस्तान से इस हमले की पूरी तरह से जांच करने और अपराधियों को कड़ी सजा देने के लिए कहा। साथ ही एंबेसी ने कहा कि पाकिस्तान अपने देश मौजूद चीनी नागरिकों, संस्थानों और परियोजनाओं की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए। साथ ही चीनी एंबेसी ने कहा, हम पाकिस्तान के साथ मिलकर इस हमले के जो नतीजे सामने आए हैं उनको संभालने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

बीएलए ने चीनी लोगों के क्यों बनाया टारगेट?

आतंकवादी ग्रुप बीएलए पर पाकिस्तान सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। बीएलए एक ऐसा ग्रुप है जो पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम में मौजूद और बलूचिस्तान की स्वतंत्रता की मांग कर रहा है। इस आतंकवादी संगठन ने अगस्त के महीने में भी प्रांत में हमले किए थे, जिसमें 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे। बीएलए खास कर चीन को टारगेट बनाता है। बीएलए चीन पर पाकिस्तान को बलूचिस्तान प्रांत का शोषण करने में मदद करने का आरोप लगाता है।

बीएलए ने ली हमले की जिम्मेदारी

कराची एयरपोर्ट पर रविवार को देर रात 11 बजे यह विस्फोट हुआ। इस विस्फोट को पाकिस्तान ने आतंकावादी हमला बताया। साथ ही पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक पाकिस्तानी अलगावावादी आतंकवादी समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। एयरपोर्ट के बाहर एक टैंकर में यह विस्फोट किया गया था। साथ ही प्रांतीय गृह मंत्री जिया उल हसन ने जानकारी दी कि यह हमला विदेशियों को निशाना बनाकर किया गया था।

पहले भी चीन को बनाया टारगेट

इससे पहले भी पाकिस्तान में चीनी नागरिकों को निशाना बनाया गया था। मार्च के महीने में 16 मार्च से लेकर 26 मार्च तक पाकिस्तान में पांच जगहों पर हमले हुए थे। जिसमें 18 लोगों की मौत हुई थी। इन सभी पांच हमलों में सुसाइड बम का इस्तेमाल किया गया था। जिसमें 12 जवान, पांच चीनी नागरिक और एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हुई थी।

दो चीनी नागरिकों की हुई मौत

साथ ही बीएलए ने पाकिस्तान में चीन को चोट पहुंचाने की कोशिश की थी। सबसे पहले बीएलए के लड़ाकों ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मौजूद उस ग्वादर पोर्ट पर हमला किया था जो चीन की मदद से बनाया गया था। इसी के बाद सशस्त्र ग्रुप ने बलूचिस्तान में मौजूद पाकिस्तान के सबसे बड़े नौसैनिक अड्डों पर हमला किया था, इस हमले के पीछे उसने कहा था कि इसमें चीनी निवेश था इसीलिए हमला किया गया। इस के बाद लड़ाकों ने देश के नॉर्थ में बेशम शहर के पास एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर चीनी इंजीनियर काम कर रहे थे, यह प्रोजेक्ट चीन की तरफ से स्पोनसर किया गया था, इस प्रोजेक्ट में काम कर रहे चीनी इंजीनियरों को निशाना बनाया था।

चुनाव से पहले विरोधियों को जेल में डाला! अब 89% वोटों के साथ जीत की तरफ, कहानी राष्ट्रपति सईद की

ट्यूनीशिया। ट्यूनीशिया के मौजूदा राष्ट्रपति काइस सईद एक बार फिर राष्ट्रपति बन सकते हैं। मतदान के बाद ट्यूनीशिया के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित हुए एग्जिट पोल में सईद को करीब 89 फीसद वोट मिलते दिखाया गया है। चुनाव की नतीजे का ऐलान ट्यूनीशिया के स्वतंत्र उच्च चुनाव प्राधिकरण (ISIE) सोमवार को करेगा।

इस बार मतदान में भारी गिरावट देखने मिली है। इस साल केवल 27.7 फीसद मतदान हुआ है, जो 2019 के चुनाव के 45 फीसद से काफी कम है। इसके अलावा राष्ट्रपति सईद पर चुनावों के दौरान कई तरह की धांधली के भी आरोप लगे हैं। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों को चुनाव से पहले ही जेल में डलवा दिया था।

प्रतिद्वंद्वियों को कराई जेल

66 साल के सईद ने सत्ता में बने रहने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी आयाची जामेल और जूहैर मगजोई को चुनाव से पहले ही जेल में डलवा दिया था। एग्जिट पोल में आयाची जामेल 6.9 फीसद और ज़ूहैर मगजौई 3.9 फीसद वोट मिलते दिखाया गया है।

चुनाव पर उठे सवाल

ट्यूनीशिया में हुए चुनाव में देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने सवाल उठाए हैं। जानकारों के मुताबिक ट्यूनीशिया के चुनावों में लोकतांत्रिक वैधता कमजोर है। इस चुनाव में 14 उम्मीदवारों को विभिन्न तकनीकी कारण देकर राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर कि दिया गया और दौड़ में मौजूद उम्मीदवारों को सरकार ने जेल में डाला है। जानकारों का कहना है कि सईद की फिर से वापसी देश में ज्यादा दमन को सही ठहराने का जरिया बनेगी। कई मतदाताओं ने चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप भी लगाए हैं और स्वतंत्र निगरानी के अभाव को लेकर भी चिंता जाहिर की है। इसके अलावा ट्यूनीशिया कमजोर आर्थिक विकास, हाई इन्फ्लेशन और बेरोजगारी का सामना कर रहा है, जिसकी वजह से देश में कई विरोध प्रदर्शन भी हो रहे हैं। सईद ने अपनी आलोचनाओं को खारिज करते हुए तर्क दिया कि उनके कार्य भ्रष्ट अभिजात वर्ग और देशद्रोहियों से लड़ने के लिए था।

ईरान की पहली और सबसे खौफनाक लेडी सीरियल किलर, जिसके निशाने पर होती थीं सिर्फ बुजुर्ग महिलाएं

वॉशिंगटन, एजेंसी। माहिन कादरी का जन्म 1977 में ईरान (Iran) के काज़विन शहर में हुआ था। वह घर में 8 भाई बहनों में तीसरे नंबर की संतान थी। आर्थिक तंगी और पारिवारिक परंपराओं के चलते माहिन की तालीम सिर्फ तीसरी कक्षा तक ही हुई। बेशक माहिन (Mahin Qadri Case) ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाई, फिर भी वह काफी तेज दिमाग की थी। वह अपने परिवार से बहुत प्यार करती थी। आगे चलकर उसके जीवन में कई मुश्किलें और चुनौतियां आईं, जिन्होंने उसे और भी ज्यादा मजबूत बना दिया।

सीमित संसाधनों के बावजूद माहिन ने अपने परिवार का ख्याल रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश की। The Guardian के मुताबिक, माहिन बचपन से ही क्राइम नॉवेल पढ़ने की शौकीन थी। वह अक्सर अगाथा क्रिस्टी (Agatha Christie) की नॉवेल पढ़ा करती थी। अगाथा क्रिस्टी की किताबें अक्सर रहस्यमयी हत्याओं और अनसुलझे अपराधों पर आधारित होती थीं, ईरान में उस किताबों को कई लोग पढ़ा करते थे। लोगों को उनकी किताबें काफी पसंद थीं। अगाथा ने ईरान की कई बार यात्रा की थी। कई कहानियां उन्होंने ईरान पर भी लिखी थीं। इसलिए उनकी कहानियां आज भी ईरान में पढ़ी जाती हैं। लेकिन अगाथा की कहानियां जहां कल्पनाओं को लेकर लिखी गई होती थीं, उन्हें माहिन ने सच में ही अपना स्रोत बना लिया था। यानि उन कहानियों का कहीं न कहीं माहिन के दिमाग पर गहरा असर पड़ा था। वह उन्हें सच मानती थी। वह इन कहानियों को बहुत ही ध्यान से पढ़ती थी। लेकिन किसे पता था कि वो इन कहानियों को अपने खौफनाक इरादों के लिए इस्तेमाल करेगी।

14 साल की उम्र में शादी

14 साल की उम्र में माहिन की शादी कर दी गई। उस समय वह सिर्फ एक नादान लड़की थी, जिसने अपने नए जीवन के सपने सजाए थे। लेकिन आगे चलकर उसका जीवन और भी ज्यादा कठिन होने वाला था, वो इन सब से अंजान थी। माहिन की शादी के बाद उसके अपने ससुराल वालों के साथ अच्छे संबंध थे। सब कुछ अच्छा चल रहा था। लेकिन उसकी एक आदत बहुत बुरी थी। उसे बेफिजूल चीजों पर पैसा उड़ाना पसंद था। लेकिन पैसे न होने के कारण वो इस शौक को पूरा करने के लिए अक्सर लोगों से उधार लेती और कर्ज में डूबी रहती। शुरुआती दिनों में ससुराल वालों ने उसकी इन आदतों को नजरअंदाज किया। सोचा कि समय के साथ वो सुधर जाएगी। मगर वो गलत थे। माहिन की ये आदत दिन ब दिन बढ़ती जा रही थी।

पति ने पैसा देना किया बंद

इस कारण माहिन के पति ने उसे सुधारने के लिए बेफिजूल पैसा देने से इनकार कर दिया। इससे माहिन को गुस्सा तो बहुत आया लेकिन वो चुप रही। जल्द ही वो एक बच्चे की मां भी बन गई। वो खुश थी। 10 साल बाद माहिन को फिर एक और बेटी हुई। वो फिर से बहुत खुश हुई। लेकिन उसकी ये खुशियां ज्यादा दिन नहीं टिक पाईं।

छोटी बेटी जब डेढ़ साल की थी तो उसे गंभीर बीमारी हो गई। इससे वो शारीरिक रूप से कमजोर होने लगी। इसका सदमा माहिन को भी लगा। वह दिन रात उसके इलाज के लिए पैसे जुटाने की कोशिश में लग गई। गरीबी और बीमारी की जंग में माहिन अब अकेली पड़ गई थी। पति के पैसों से भी बेटी का इलाज नहीं हो पा रहा था। माहिन अब और ज्यादा डिप्रेशन में रहने लगी। वो अपनी बेटी के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार थी।

मां ने भी नहीं दिए पैसे

उसने अपने रिश्तेदारों से पैसों की मदद मांगी। लेकिन सब उसकी पुरानी आदत से वाकिफ थे। इसलिए किसी ने भी माहिन की मदद नहीं की। बेशक इस बार वो सच में अपनी बेटी के लिए पैसे मांग रही थी। लेकिन रिश्तेदारों को लगा कि वो बेफिजूल खर्च के लिए पैसे मांग रही है। किसी ने भी उसे या तो पैसे नहीं दिए या फिर कोई बहाना बना दिया। यहां तक कि माहिन की खुद की मां ने भी उसकी मदद करने से इनकार कर दिया। इन हालातों ने माहिन के अंदर ऐसी आग जगा दी, जिससे उसका आने वाला जीवन खराब होने वाला था। वह अपनी मां से बेइंतहां नफरत करने लगी थी।

एक दिन जब वो अपने घर की खिड़की से बाहर देख रही थी, तो सामने उसकी नजर सड़क पर जा रही एक बुजुर्ग महिला पर पड़ी। उस महिला के हाथ और गले में सोने की चूड़ियां और हार चमक रहा था। तभी माहिन के दिमाग में एक ख्याल आया, जिसने उसके जीवन की दिशा को पूरी तरह बदल दिया। उसने सोचा- मुझे अपनी गरीबी का हल खुद ही निकालना चाहिए। यह सोचकर उसने एक खौफनाक प्लान बनाया। बस फिर क्या था, प्लान के तहत माहिन एक बार इमाम ज्यादे चार अंबिया नामक जगह पर थी। यहां अक्सर बूढ़ी महिलाएं इबादत करने और सुकून पाने आती थीं।

अकेली महिला को बनाया शिकार

माहिन ने देखा यहां कई महिलाएं अकेली आई थीं। उन्होंने सोने के गहने पहने थे। माहिन ने प्लान के तहत एक महिला को चुना। उसके पास गई। बोली- अम्मा आपको देखकर मुझे मेरी मां की याद आ गई जो कि अब इस दुनिया में नहीं है। वो भी इसी तरह इबादत किया करती थीं, जैसे आप कर रही हैं। अगर आप बुरा न मानें तो क्या मैं आपको आपके घर तक छोड़ दूं? बुजुर्ग महिला भी उसकी बातों में आ गई। वो उसके साथ चलने को तैयार हो गई।

माहिन ने बुजुर्ग महिला को अपनी पीले रंग की Renault कार में बैठाया और आगे चलने लगी। रास्ते में उसने बूढ़ी महिला को पीने के लिए जूस दिया। लेकिन उस जूस में माहिन ने पहले से ही नशीली दवा मिला रखी थी। बुजुर्ग महिला ने जैसे ही जूस पिया, उन्हें चक्कर आने लगा। मौके का फायदा उठाते हुए माहिन ने फिर वो कर डाला जिसका उसने प्लान बनाया था। उसने बूढ़ी महिला का अपने स्कार्फ से गला घोंटकर मार डाला। इसके बाद वो लाश को कार में लिए शहर के चक्कर काटती रही।

जब रात हुई तो उसने सुनसान जगह पर जाकर लाश को फेंक दिया। उससे पहले उसने बूढ़ी महिला के सारे गहने निकालकर अपने पास रख लिए। माहिन के अंदर अब एक अजीब सी संतुष्टि थी। लेकिन उसके अंदर एक डर भी पैदा हुआ। बावजूद इसके वो यहीं नहीं रुकी। उसने एक और दिन इसी तरह अपना एक और शिकार चुना। वो सिर्फ बुजुर्ग महिलाओं को ही टारगेट करती थी। क्योंकि उन्हें वो आसानी से अपनी बातों में फंसा सकती थी। वो ऐसी-ऐसी जगहों पर जाती जहां उसे बुजुर्ग महिलाएं आसानी से मिल जातीं। माहिन ने दूसरी बार फिर से एक अन्य महिला को उसी तरह अपना शिकार बनाया।

भारत आने पर मालदीव के राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू का राष्ट्रपति भवन में हुआ औपचारिक स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू एक बार फिर से भारत की यात्रा पर है। भारत आने के बाद सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में मोहम्मद मुइज्जू का औपचारिक स्वागत किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर मालदीव के राष्ट्रपति और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद का स्वागत किया।

राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू ने प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद के साथ नई दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद, मुइज़्ज़ू ने राजघाट में आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए। भारत की पांच दिवसीय द्विपक्षीय यात्रा पर आए मुइज्जू आज राष्ट्रीय राजधानी स्थित हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। राष्ट्रपति मुइज्जु मालदीव की प्रथम महिला के साथ रविवार को भारत की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर पहुंचे।

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री किरीटी वर्धन सिंह ने उनका स्वागत किया। मुइज्जू राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आधिकारिक निमंत्रण पर भारत आ रहे हैं। मुइज्जू ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ₹जयशंकर ने राष्ट्रपति का भारत में राजकीय दौरे पर स्वागत करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। राष्ट्रपति डॉ. मुइज्जू ने आगमन पर उन्हें और उनके प्रतिनिधिमंडल को दिए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।'

मालदीव के विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बैठक में जयशंकर और मुइज्जू ने दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों को बढ़ावा देने और बनाए रखने पर विस्तार से बात की। दोनों पक्षों ने भारत सरकार द्वारा समर्थित वर्तमान पहलों की प्रगति की समीक्षा की तथा अतिरिक्त अवसरों की खोज पर चर्चा की, जिन्हें दोनों देश मालदीव की वर्तमान विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप पारस्परिक लाभ के रूप में देखते हैं। मालदीव के राष्ट्रपति ने प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद के साथ नई दिल्ली में रहने वाले मालदीव समुदाय के लोगों से भी बातचीत की।

बातचीत के दौरान, उन्होंने समुदाय की भलाई के बारे में पूछा, उनकी चिंताओं और चुनौतियों को सुना, और मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस साल जून की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के बाद मुइज़्ज़ू की यह दूसरी भारत यात्रा है।

जरूरत नहीं भी पड़ी तब भी पीडीपी को लेंगे साथ, फारूक ने परिणामों से पहले महबूबा मुफ़्ती का दिल से किया शुक्रिया अदा

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अगर हमें जरूरत नहीं भी पड़ी तब भी हम (पीडीपी का) साथ लेंगे क्योंकि हमें इकट्ठे चलना है। इस रियासत को बचाने लिए सबको कोशिश करनी है। मैं उनका(महबूबा मुफ़्ती) दिल से शुक्रिया करता हूं। हम लोग इकट्ठे रियासत को बनाने की कोशिश करेंगे। इससे पहले श्रीनगर के लाल चौक विधानसभा क्षेत्र से पीडीपी के उम्मीदवार जुहैव युसूफ मीर ने संकेत दिए थे कि भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए उनकी पार्टी कांग्रेस-नेकां गठबंधन में शामिल हो सकती है और यह भी कहा था कि वह कश्मीर की पहचान को बचाने के लिए इकट्ठे हो सकते हैं कि जहां तक एग्जिट पोल का संबंध है तो वह गंभीर नहीं है, यह एक टाइम पास गतिविधि है। बीजेपी के साथ जाने की खबरों पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उनकी पार्टी सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कोई गठबंधन नहीं करेगी। अब्दुल्ला ने कहा कि म भाजपा के साथ नहीं जाएंगे।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले बीजेपी को लगा झटका, हर्षवर्द्धन पाटिल शरद पवार की पार्टी में शामिल हुए

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले, राज्य भाजपा इकाई को एक बड़ा झटका लगा जब पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता हर्षवर्द्धन पाटिल आज (7 अक्टूबर) शरद पवार के नेतृत्व वाले राकांपा गुट में शामिल हो गए। पार्टी प्रमुख शरद पवार ने उनका स्वागत किया, क्योंकि शरद ने राकांपा (सपा) के प्रति अपनी निष्ठा की शपथ ली। गौरतलब है कि भाजपा के एक प्रमुख नेता पाटिल ने सबसे पहले इंदापुर विधानसभा सीट पर पार्टी के साथ मतभेद के बाद राकांपा (सपा) में प्रवेश की पुष्टि की थी, जो वर्तमान में अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को आवंटित की गई है।

इससे पहले, शरद पवार खेमे में शामिल होने के बारे में मीडिया को अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताते हुए पाटिल ने कहा कि उनके समर्थक चाहते हैं कि वह विधानसभा चुनाव लड़ें। उन्होंने मुझसे कहा कि चूंकि मेरे समर्थक चाहते हैं कि मैं इंदापुर से चुनाव लड़ूं, इसलिए मुझे फैसला करना चाहिए। मैंने उनसे बात की और फिर पार्टी में शामिल होने के फैसले पर पहुंचा। गौरतलब है कि ऐसी उम्मीद है कि पाटिल राकांपा (सपा) के टिकट पर अपने गृह क्षेत्र इंदापुर से चुनाव लड़ेंगे। उनका मुकाबला एनसीपी अजित पवार गुट के नेता और वर्तमान विधायक दत्तात्रेय भरणे से होगा।

पाटिल इंदापुर निर्वाचन क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी पर कड़ा रुख नहीं अपनाने के कारण भाजपा से नाखुश थे, उन्होंने पहले 1995, 1999 और 2004 में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में सीट जीती थी। बाद में 2009 में वह कांग्रेस में शामिल हो गए और फिर से सीट से जीत हासिल की। हालांकि 2014 के चुनावों में छाप छोड़ने में असफल रहे। 2019 में वह भाजपा में शामिल हो गए; हालाँकि, फिर से राकांपा उम्मीदवार भरणे से हार गए।

दीपशिखा नागपाल ने बताया कि कैसे देव आनंद ने उन्हें अपने साथ काम करने के लिए राजी किया

अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल ने खुलासा किया है कि उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर इसलिए चुना क्योंकि, प्रतिष्ठित अभिनेता-फिल्म निर्माता देव आनंद ने उनसे कहा था। अभिनेत्री ने कहा, मेरा परिवार, खास तौर पर मेरे नानाजी, पहले से ही फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थे। मूक फिल्मों के दौर से ही मेरे नानाजी ने दादा मुनि (अशोक कुमार) और महमूद जैसे दिग्गजों को मौका दिया था। मेरी मां गुजराती फिल्मों में अभिनेत्री थीं और मेरे पिता निर्देशक, लेखक और अभिनेता थे। दिग्गज अभिनेता देव आनंद अपनी फिल्म के लिए लड़कियों की तलाश कर रहे थे और मेरी मां मुझे और मेरी बहन को उनसे मिलवाने ले गई थी।

दीपशिखा ने बताया कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि देव आनंद मेरी बहन को नहीं बल्कि उन्हें साइन करना चाहते थे। भले ही वह एक अभिनेत्री बनने की आकांक्षा रखती थी।

देव आनंद के प्रस्ताव को मैंने ठुकरा दिया। क्योंकि अभिनय कभी मेरा सपना नहीं था। मैं मिस इंडिया या एक स्वतंत्र कॉर्पोरेट महिला बनना चाहती थी, शायद एक फैशन डिजाइनर भी। लेकिन देव साहब लगातार कोशिश करते रहे और आखिरकार उन्होंने मुझे अपने साथ काम करने के लिए मना लिया।

अभिनेत्री ने दिवंगत स्टार के साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा, मुझे अभी भी उनके शब्द याद हैं, दीपशिखा, मेरे साथ काम करो और अगर तुम नहीं चाहती हो तो किसी और के साथ काम मत करना। मैं आखिरकार राजी हो गई, हालांकि मैंने जोर दिया कि वह मेरी बहन को भी साइन करें।

अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पहली फिल्म गैंगस्टर थी। मुझे लगा था कि यह मेरी आखिरी फिल्म होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इंडस्ट्री ने मुझे नोटिस करना शुरू कर दिया। लोग मेरी तुलना परवीन बॉबी से करने लगे, और मैंने इस सफर का आनंद लेना शुरू कर दिया।

दीपशिखा ने खुलासा किया कि उन्हें 1995 की फिल्म करण अर्जुन की पेशकश की गई थी, जिसमें सलमान खान और शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने कहा, मुझे राकेश रोशन ने करण अर्जुन की पेशकश की थी। लेकिन, मुझे अफसोस है कि मैंने इसे ठुकरा दिया था। मैं देव आनंद की गैंगस्टर में काम कर रही थी।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिल्मों से टेलीविजन की ओर रुख क्यों किया। उन्होंने बताया कि मैंने शादी करने के बाद अपना ध्यान फिल्मों से टेलीविजन की ओर मोड़ लिया। लगभग उसी समय, मॉरीन वाडिया की ग्लैडरैग्स मिसेज इंडिया प्रतियोगिता शुरू हुई, और मैंने इसमें भाग लेने का फैसला किया। यह कुछ ऐसा था जिसे मैं खुद अनुभव करना चाहती थी।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने 2003 की मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम रनर-अप रही। साथ ही कोहिनूर वूमन ऑफ द ईयर का खिताब भी जीता। पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे अपने सफर पर गर्व होता है, भले ही मैंने करण अर्जुन जैसे कुछ अवसर गंवा दिए हों। लेकिन मेरा मानना है कि सब कुछ किसी कारण से होता है। अब, मुझे उम्मीद है कि अगर मेरी बेटी कभी मेरे नक्शेकदम पर चलना चाहती है या मार्गदर्शन चाहती है, तो मैं उसका समर्थन करने के लिए वहां मौजूद रहूंगी।

आलिया भट्ट की स्पाई थ्रिलर अल्फा की रिलीज डेट हुई अनाउंस, अगले साल क्रिसमस पर सिनेमाघरों में देगी दस्तक

यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा की रिलीज डेट सामने आ गई है। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर फिल्म अल्फा के लिए दर्शकों लंबा इंतजार करना पड़ेगा। हाल ही में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ ने कश्मीर में फिल्म का 10 दिनों का एक शेड्यूल पूरा किया था। वहीं, फिल्म के अगले शेड्यूल से पहले मेकर्स ने अल्फा की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। यशराज बैनर ने सोशल मीडिया पर फिल्म से एक पोस्टर जारी किया है। इस पर फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा हो रहा है।

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की फिल्म अल्फा 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होने जा रही है। पहले इस तारीख को आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल स्टारर फिल्म लव एंड वॉर रिलीज होने वाली थी। लेकिन लव एंड वॉर की हाल ही में इसके डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने रिलीज डेट में बदलाव की जानकारी दी थी। अब लव एंड वॉर 20 मार्च 2026 को रिलीज होने जा रही है।

अल्फा के बारे में बता दें, शिव रवैल ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म के

प्रोड्यूसर यशराज बैनर के मालिक आदित्य चोपड़ा है। अल्फा एक फीमेल स्पाई यूनिवर्स फिल्म है, जो हिंदी सिनेमा के इतिहास में पहली बार बनने जा रही है। इसमें आलिया और शरवरी को मास एक्शन करते देखा जाएगा।

बता दें, आलिया भट्ट को पिछली बार फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में देखा गया था। अब आगामी 11 अक्टूबर को आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा रिलीज होने जा रही है। वहीं, शरवरी वाघ ने मौजूदा साल में सुपर हॉरर फिल्म मुंज्या दी थी।

कंगना रनौत तनु वेड्स मनु 3 में निभाएंगी 3 अलग–अलग किरदार, सामने आईं ये दिलचस्प जानकारियां

कंगना रनौत जल्द ही कई फिल्मों में नजर आएंगी। तनु वेड्स मनु रिटर्न्स भी उनकी आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है।इसके सीक्वल को लेकर लंबे समय से खबरें आ रही हैं। यहां तक कि खुद निर्देशक आनंद एल राय सीक्वल से जुड़ीं कई जानकारियां साझा कर चुके हैं, लेकिन अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक इसे लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ जाएगा।दरअसल, तनु वेड्स मनु 3 में कंगना 3 अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, तीसरे भाग की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां दूसरा भाग खत्म हुआ था। एक बार फिर कंगना संग आर माधवन की जोड़ी देखने को मिलेगी।फिल्म में खूब रोमांस और ड्रामा होगा। सबसे दिलचस्प बात यह है कि कंगना इस फिल्म में पहली बार ट्रिपल रोल करने जा रही हैं।उनके एक्टिंग करियर में यह पहला मौका होगा, जब वह फिल्म में 3 अलग-अलग किरदार निभाएंगी। इसे लेकर कंगना बेहद उत्साहित और रोमांचित हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अगले साल जुलाई या अगस्त में शुरू होगी। इससे पहले राय अभिनेता धनुष और कृति सैनन के साथ फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग पूरी करेंगे, वहीं इसी बीच कंगना की फिल्म इमरजेंसी पर्दे पर आएगी।बताया जा रहा है कि तनु वेड्स मनु 3 साल 2026 में पर्दे पर आएगी।तनु वेड्स मनु रिटर्न्स में कंगना ने डबल रोल किया था और दर्शकों से जमकर वाहवाही लूटी थी।

रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तनु वेड्स मनु में कंगना, माधवन, जिमी शेरगिल, दीपक डोबरियाल, एजाज खान और स्वरा भास्कर भी थीं। यह 2011 में रिलीज हुई थी। दूसरा भाग तनु वेड्स मनु रिटर्न्स 2015 में दर्शकों के बीच आया, जिससे कुछ नए कलाकार भी जुड़े थे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com